WWW.Kanchanujala.in

हिन्दी दैनिक

kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित

सच्चाई के साथ

वर्षः 01 अंक : 243 | लखनऊ, रविवार, 23 अगस्त, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

सोनाक्षी सिन्हा के इंस्टाग्राम वीडियो पर अभद्र टिप्पणी करने वाला व्यक्ति गिरफ्तार

यूपी विधानसभा सत्र

तीन दिन में चार घंटे चली कार्यवाही

सर्वाधिक 27 विधेयक पास करने का रिकॉर्ड

लखनऊ, एजेंसी। कोरोना वायरस के संक्रमण काल में भी उत्तर प्रदेश विधानमंडल के मानसून सत्र की कार्यवाही का आयोजन कराने वाली प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने नया रिकॉर्ड बना लिया है। तीन दिन में करीब चार घंटे की कार्यवाही में सरकार ने डेढ़ दर्जन अध्यादेश पास कराने में सफलता प्राप्त की। इसके बाद सदन को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज करीब एक घंटा सदन को संबोधित किया और विपक्ष पर जमकर हमला करने के साथ संकट में भी सहयोग न करने की शिकायत भी कर दी। विधानमंडल के मानसून सत्र के अंतिम दिन शनिवार को भी दोनों सदन में काफी शोरशराबा होता रहा। इसके बीच भी सरकार ने 17 विधेयक को पास कराया। हंगामा तथा शोक के कारण यह सत्र तीन दिन में सिर्फ चार घंटा ही चल सका। सीएम योगी ने कहा कि कोरोना काल में सदन का आयोजन बड़ी बात है। आज तीसरा दिन है। शोक के चलते दो दिन सदन की कार्यवाही आगे नहीं बढ़ पाई। आज अवकाश के दिन सदन चल रहा है। सदस्यों की सदन में उपस्थिति लोकतंत्र का परिचायक है। विधानमंडल के तीन दिन के मानसून सत्र में सर्वाधिक 27 विधेयक पास करने का रिकॉर्ड बना। इसमें 33सदस्यों ने वर्चुअल उपस्थिति दर्ज कराई जबकि तीन बैठक में सदन चार घंटा 30 मिनट तक चला। इसमें भी सदन में 25 मिनट का स्थगन रहा। इसमे नियम 300के तहत 92 सूचनाएं स्वीकार की गयीं। इसके साथ नियम 51के तहत 102 सूचनाएं प्राप्त की गई। इसके साथ 138 याचिकाएं प्रस्तुत की गईं। विधानमंडल मानसून सत्र के अंतिम दिन नेता सदन मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ ने करीब एक घंटे के उद्बोधन में अपने विधायकों की जमकर तारीफ की। इस दौरान विपक्ष पर खूब कटाक्ष किया। अपने इस संबोधन में मुख्यमंत्री ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन पर खुशी जाहिर करने के साथ ही प्रदेश की कानून-व्यवस्था को भी काफी बेहतर बताया। इसके साथ मंदिर और राम पर सवाल करने वाले विपक्ष को राम विरोधी करार दिया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने इस दौरान कहा कि उत्तर प्रदेश की सारी आबादी की सुरक्षा की जिम्मेदारी हमारी है और हम उसको बखूबी निभा भी रहे हैं। मुख्यमंत्री ने सदन में कहा कि कोरोना संक्रमण के काल में हम इस महामारी पर अंकुश लगाने के प्रयास के साथ ही प्रदेश में विकास कार्य को भी गति देते रहे। उन्होंने कहा कि प्रदेश की कानून-व्यवस्था हमारी प्राथमिकता थी और रहेगी। हमने जिनके साथ जैसा व्यवहार करना चाहिए था, वैसा ही किया है। अब तो कानून व्यवस्था की जो लोग बात कर रहे हैं, वे लोग ही कानून के लिए सबसे बड़ी चुनौती हैं। दहेज, दुष्कर्म, डकैती और हत्या जैसे अपराधों में गिरावट आई है। सीएम योगी ने जातीय राजनीति पर भी विपक्ष पर करारा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जो लोग सहानुभूति दिखा रहे हैं, उन लोगों ने ही कन्नौज के नीरज मिश्रा का सिर कटवाकर भेजा था। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दिल्ली में आज गिरफ्तार आतंकी ने माना है कि उनकी राम मंदिर शिलान्यास के एक महीने के भीतर आतंकी हमला करने की थी। हम लगातार सतर्क हैं, शायद इसी कारण उनके मंसूबों पर पानी फिर गया है। उन्होंने कहा कि आतंकी से पूछताछ में पता चला है कि वह उत्तर प्रदेश में अपराध के खिलाफ नये कानून और एनकाउंटर में 47 मुस्लिम अपराधियों के मारे जाने का बदला लेने की तैयारी में था। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमने प्रदेश की कानून-व्यवसथा दुरुस्त रखने की खातिर काफी जगह पर सख्ती भी की है। हमने उपद्रव करने वालों को नहीं छोड़ा है। सीएए के विरोध में उपद्रव के दौरान सरकारी तथा निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों से हमने वसूली की है। जुर्माना देने वाले बाहर हैं, जबकि जुर्माना न भर पाने वाले जेल में हैं। हमारी ही इस नीति का अनुसरण अब अन्य राज्य भी कर रहे हैं। हमने उपद्रवियों से वसूली करने के साथ संपत्तियों की कुर्की की है।

राफेल सौदे पर कैग की रिपोर्ट से सरकार पर फिर भड़के राहुल

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने राफेल लड़ाकू विमान सौदे को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए शनिवार को कहा कि सच को लाख कोशिश के बाद भी छिपाया नहीं जा सकता। श्री गांधी ने सरकार के राफेल से जुड़ी सूचना कैग को नहीं देने संबंधी एक अखबार में छपी खबर का हवाला देते हुए कहा कि सरकार राफेल घोटाले पर पर्दा डालने का प्रयास कर रही है और तथ्य छिपा रही है। उन्होंने ट्वीट किया कि राफेल के लिए भारत सरकार के खजाने से पैसा चुराया गया। इसके साथ ही उन्होंने सच को लेकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के एक कथन का उद्धरण करते हुए लिखा, सच एक है, रास्ते कई हैं। उन्होंने राफेल विमान के चित्र के साथ ही इस संबंध में छपी खबर को पोस्ट किया जिसमें कहा गया है कि नियन्त्रक एवं महालेखा परीक्षक-कैग ने राफेल ऑफसेट सौदे को लेकर सरकार को रिपोर्ट सौंपी है जिसमे राफेल पर हुए खर्च का कोई ब्यौरा नहीं है क्योंकि रक्षा मंत्रालय ने कैग को इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी है।

चीन-पाकिस्तान को भारत का दो टूक जवाब

आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करें

नयी दिल्ली, एजेंसी। चीन और पाकिस्तान के विदेश मंत्रियों के संयुक्त वक्तव्य में जम्मू-कश्मीर के संदर्भ को सिरे से खारिज करते हुए भारत ने कहा है कि जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और दूसरे देशों को इसमें हस्तक्षेप करने से बाज आना चाहिए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने चीन और पाकिस्तान के विदेश मंत्रियों के संवाद के बाद जारी संयुक्त प्रेस वक्तव्य में जम्मू कश्मीर के संदर्भ के बारे में पूछे गये एक सवाल के जवाब में आज यहां कहा कि भारत इसे सिरे से खारिज करता है। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और दूसरे देशों को इसमें हस्तक्षेप करना चाहिए। उन्होंने कहा कि चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के बारे में भारत के रूख में कोई बदलाव नहीं आया है और इस बारे में वह इन दोनों देशों को अपनी चिंताओं से अवगत करा चुका है। भारत का मानना है कि यह गलियारा भारत की जमीन पर है जिस पर पाकिस्तान ने अवैध तरीके से कब्जा कर रखा है। भारत पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में यथा स्थिति को बदलने की दूसरे देश की कार्रवाई का विरोध करता है और इस पर रोक लगाने की मांग करता है।

मध्य प्रदेश में भारी बारिश से उफान पर नदी नाले

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश में मूसलाधार बारिश से आमजन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। लगातार हो रही बारिश से नदी-नाले उफान पर आ गए है, सड़कों पर पानी भर गया है। घरों से लेकर एयरपोर्ट तक 4-5 फुट तक पानी खड़ा है। इसके चलते बरगी, यशवंत सागर, बाणसागर जैसे बांधों के गेट खोले जा चुके है, वही भोपाल के भदभदा के गेट भी खोलने की तैयारी है। वहीं मौसम विभाग ने एक बार फिर आज रेड, ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने 48 घंटे अति भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इसको देखते हुए सीएम शिवराज ने कलेक्टरों को छोटे-बांधों बांधों की लगातार निगरानी करने को कहा और उन पर अमले को अलर्ट मोड पर रखने के निर्देश दिए। वहीं नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के कंट्रोल रूम से लगातार संपर्क में रहने को कहा है।

अयोध्या राममंदिर शिलान्यास के महीने भर के अंदर आतंकी हमले की थी तैयारी

दिल्ली में आईएसआईएस आतंकी की गिरफ्तारी के बाद यूपी में अलर्ट

लखनऊ, एजेंसी। दिल्ली में आईएसआईएस के एक संदिग्ध आतंकवादी की गिरफ्तारी के बाद उत्तर प्रदेश में भी अलर्ट घोषित कर दिया गया है.वहीं राज्य के आतंकवाद विरोधी दस्ते (एटीएस) की अलग-अलग टीम दिल्ली तथा बलरामपुर पहुंच गई है.शनिवार को प्रदेश के पुलिस महानिदेशक हितेश चंद्र अवस्थी ने सभी पुलिस अधिकारियों, खास तौर पर क्षेत्र में तैनात अफसरों को सतर्क रहने और जरूरी एहतियात बरतने की हिदायत दी है. समाचार एजेंसी के अनुसार, राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि दिल्ली में गिरफ्तार उत्तर प्रदेश के बलरामपुर निवासी आतंकवादी ने

पूछताछ में पुलिस को बताया है कि उसकी अयोध्या में राम मंदिर शिलान्यास के एक महीने के भीतर आतंकी हमला करने की योजना थी. प्रवक्ता के मुताबिक पकड़े गए आतंकवादी ने यह भी बताया है कि संशोधित नागरिकता कानून के खिलाफप्रदेश के विभिन्न जिलों में पिछले साल के अंत में हुई हिंसा में उपद्रवियों से वसूली, संपत्तियों की कुर्की के नए कानून और राज्य में पुलिस के साथ मुठभेड़ में अल्पसंख्यक समुदाय के 47 अपराधियों के मारे जाने का बदला लेने की भी तैयारी थी वहीं दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ से संपर्क करने के बाद उत्तर प्रदेश का आतंकवाद रोधी दस्ता दिल्ली पहुंच गया है. इसके अलावा दस्ते की एक टीम बलरामपुर भी गई है. गिरफ्तार आतंकी बलरामपुर का निवासी बताया जा रहा है. गौरतलब है कि दिल्ली पुलिस ने मध्य दिल्ली के रिज रोड इलाके से आईएसआईएस के एक कथित आतंकवादी को गिरफ्तार कर उसके पास से आईईडी विस्फोटक बरामद किए हैं. यह गिरफ्तारी शुक्रवार रात को मुठभेड़ के बाद हुई है।

महोबाः दादी और नातिन का संदिग्ध अवस्था में फांसी पर लटकता मिला शव

महोबा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में महोबा जनपद के पनवाड़ी थाना क्षेत्र के नटर्रा गांव में घर के अंदर संदिग्ध परिस्थितियों में बुजुर्ग महिला और किशोरी के फंदे पर दो शव मिलने से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। दादी और नातिन की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस आलाधिकारी ने मौके पर पहुंच शवों का पंचायत नामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल पुलिस अधिकारियों ने हत्या या आत्महत्या की आशंका के चलते बाँदा व हमीरपुर जनपद की फॉरेन्सिक टीमों को जांच के घटना स्थल पहुंचने के निर्देश दिए है। मृतका के पति बुजुर्ग ब्रजलाल ने बताया कि सुबह जैसे ही वह घर के दरवाजे खोलने की कोशिश की तो वह नही खुले। जिसके बाद ग्राम प्रधान और पुलिस को सूचना दी थी।

प्रशांत भूषण के समर्थन में उतरी कांग्रेस!

कपिल सिब्बल का बयान-हथौड़े के रूप में हो रहा अवमानना कानून का उपयोग

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रशांत भूषण के ऊपर सुप्रीम कोर्ट में चल रहे अवमानना के मामले में अब कांग्रेस नेता और वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने समर्थन दिया है। सिब्बल ने कहा कि अवमानना का उपयोग आजकल हथौड़े के रूप में किया जा रहा है। सिब्बल ने आगे सुप्रीम कोर्ट पर निशाना साधते हुए कहा कि जब बड़े मुद्दे पर दांव लगा हो तो, अवमानना का कार्य शुरू हो जाता है।पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल ने ट्वीट कर कहा, प्रशांत भूषण। अवमानना की शक्ति का प्रयोग आज एक हथौड़े की तरह किया जा रहा है। जब भी संविधान और कानूनों की रक्षा करने की आवश्यकता सबसे अधिक होती है, तो उस समय न्यायालय असहाय क्यों होते हैं, दोनों के लिए समान तरीके से अवमानना दिखाते हैं। बड़े मुद्दे दांव पर लगे हैं। इतिहास हमें खारिज करने के लिए कोर्ट का मूल्यांकन करेगा। दया की भीख नहीं मांगूंगा- वहीं सीनियर एडवोकेट प्रशांत भूषण नेकहा कि मैं दया की भीख नहीं मांगूंगा, मैं उदारता दिखाने की अपील भी नहीं करूंगा। अदालत जो सजा देगी उसे खुशी-खुशी स्वीकार कर लूंगा। प्रशांत भूषण ने कहा कि वह दो-तीन दिन में अपने वकीलों से परामर्श लेंगे और उच्चतम न्यायालय की सलाह पर विचार करेंगे।

उप्र में भाजपा की नई टीम घोषित, कई नए चेहरों को मिली जगह

लखनऊ, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी ने शनिवार को अपनी बहुप्रतीक्षित नई टीम की घोषणा कर दी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की सहमति के बाद प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव ने पदाधिकारियों का ऐलान किया है। इस बार 16 प्रदेश उपाध्यक्ष, 7 महामंत्री और 16 मंत्री बनाए हैं। इसके अलावा दो कोषाध्यक्ष बनाए गए हैं। इनमें कुछ नए चेहरों को जगह मिली है तो कुछ पुराने चेहरों को पदोन्नति मिली है। वहीं, इस पूरी सूची में पिछड़ों पर खास फोकस है। कुल मिलाकर इस सूची के हिसाब से 41 पदाधिकारियों की घोषणा हुई है। लक्ष्मण आचार्य, पंकज सिंह, विजय बहादुर पाठक, कांता कर्दम, सलिल विश्नोई, दयाशंकर सिंह, सुरेंद्र नागर, सतपाल सैनी, पद्मसेन चौधरी, नीलम सोनकर, कमलावती सिंह प्रकाश पाल, संतोष सिंह, देवेंद्र चौधरी, ब्रजबहादुर उपाध्याय, सुनीता दयाल को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया है।

दाऊद को भारत के हवाले किया जाए पाक आतंकवादी मुल्क घोषित हो

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को कहा कि पाकिस्तान ने मुंबई बम हमले के सरगना दाऊद इब्राहिम के कराची में होने की बात कबूल करके अपनी आतंकवाद को समर्थन देने की नीति उजागर कर दी है और अब दाऊद को भारत के हवाले करने के साथ ही पाकिस्तान को आतंकवादी मुल्क घोषित किया जाना चाहिये। भाजपा के वरिष्ठ प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन ने कहा कि पाकिस्तान को मजबूरी स्वीकार करना पड़ा है कि मुंबई बम विस्फोट कांड का मुख्य सरगना दाऊद इब्राहिम उसके यहां हैं। अंतरराष्ट्रीय दबाव में अंततः उसे अपने यहां मौजूद आतंकवादियों की सूची जारी करनी पड़ी है। उन्होंने कहा कि आतंकियो का सुरक्षित पनाहगाह पाकिस्तान कब तक अपनी नापाक हरकतों को छुपायेगा। आखिरकार भारत का दावा सही साबित हुआ और अब पाकिस्तान फौरन दाऊद को भारत के हवाले करे। ताकि उसके गुनाहों का हिसाब हो सके। श्री हुसैन ने कहा कि पाकिस्तान सरकार का 'आतंकियों' की यह सूची उनके गुनाहों का कबूलनामा है। दुनिया के देशों को अब इस सूची को पाकिस्तान के नापाक इरादों का सबूत मान कर, उसे आतंकवादी देश घोषित करने की कार्यवाही शुरू करनी चाहिये।

कोरोना महामारी के बीच गणेश उत्सव शुरू

पुणे, एजेंसी। महाराष्ट्र के पुणे और अन्य हिस्सों में शनिवार को 10 दिवसीय गणेश उत्सव शुरू हो गया लेकिन कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी के कारण इस बार पहले जैसी रौनक नहीं है।

महाराष्ट्र सरकार ने 'गणेशोत्सव' समारोहों को लेकर दिशानिर्देश जारी किये हैं कि भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित करने और विसर्जित करने के दौरान लोगों की भीड़ एकत्रित नहीं होनी चाहिए। दिशानिर्देशों के तहत इस वर्ष सार्वजनिक (कक्युनिटी) मंडलों की तरफ से स्थापित प्रतिमा की ऊंचाई चार फीट और आम लोगों की तरफ से स्थापित प्रतिमा की ऊंचाई दो फीट तक सीमित होनी चाहिए। कोरोना वायरस महामारी के कारण इस वर्ष इस उत्सव के प्रति लोगों में उत्साह और जज्बा अपेक्षाकृत कम है। इस वर्ष महामारी के कारण फूल विक्रेता, मिठाई विक्रेता, सजावट का सामाने बेचने वाले, आभूषण विक्रेता और ट्रांसपोर्टर को बहुत नुकसान झेलना पड़ रहा है। मुंबई के सबसे प्रसिद्ध गणेशोत्सव मंडल 'लालबागचा राजा' महामारी के कारण इस वर्ष प्रतिमा स्थापित नहीं कर रहा है। अमीर मंडलों में से एक माने जाने वाले वडलाजा के जीएसबी सेवा समिति ने अगले वर्ष फरवरी में होने वाले उत्सव 'माघ सुध चतुर्थी' का समारोह स्थगित कर दिया है। इस वर्ष शहर में पंडालों की सजावट नहीं हो रही है और मंडलों की तरफ से सांस्कृतिक कार्यक्रमों की जगह कोरोना वायरस को लेकर जागरूकता कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं।

मुंबई और आसपास के जिलों में पिछले कुछ दिनों से भारी बारिश हो रही है लेकिन फिर भी लोग 'गणपति बप्पा मोरया' के जयकारे के साथ अपने घरों से निकलकर भगवान गणेश की प्रतिमा लाने गये। इस बीच कुछ इलाकों में भगवाण गणेश की प्रतिमा के स्वागत में पटाखे भी फोड़े गये। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने भी अपने आधिकारिक आवास 'वर्षा' में भगवान गणेश की प्रतिमा का स्वागत किया। कुछ हस्तियों और राजनीतिक नेताओं ने भी अपने-अपने घरों में गणेश प्रतिमा स्थापित की हैं। उत्सव के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। स्थानीय पुलिस के अलावा रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ), स्टेट रिजर्व पुलिस फोर्स (एसआरपीएफ) की तीन कंपनियां तैनात की गई हैं। इस बीच किसी तरह की अप्रिय घटना को रोकने के लिए त्वरित प्रतिक्रिया दल, बम निरोधक दस्ते और आतंकवाद-रोधी सेल को अलर्ट पर रखा गया है। पुलिस 5,000 सीसीटीवी कैमरों की मदद से शहर की निगरानी करेगी। इसके अलावा हवाई निगरानी के लिए ड्रोन का भी इस्तेमाल किया जाएगा।

पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी अभी भी कोमा में, डॉक्टर बोले,हम जुटे हैं इलाज में

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी गहरे कोमा में हैं लेकिन उनकी हालत स्थिर है। अस्पताल ने शनिवार की सुबह यह जानकारी दी। मुखर्जी (84) का उपचार कर रहे डॉक्टरों ने कहा कि उनका श्वास नली में संक्रमण का इलाज किया जा रहा है और अब भी वह वेंटिलेटर पर हैं। मुखर्जी को 10 अगस्त को दिल्ली छावनी स्थित सेना के रिसर्च एंड रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया था और उसी दिन उनके मस्तिष्क की सर्जरी हुई थी। पूर्व राष्ट्रपति की जांच में कोरोना वायरस संक्रमण की भी पुष्टि हुई थी। बाद में उन्हें फेफड़े का कैंसर हो गया था जिसका इलाज किया जा रहा है। अस्पताल की ओर से जारी एक वक्तव्य में कहा गया कि प्रणब मुखर्जी की हालत में आज सुबह तक कोई परिवर्तन नहीं आया है।

कोरोना आंकड़ा 30.38 लाख के पार रिकवरी दर 75 फीसदी के करीब

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में कोरोना वायरस (कोविड-19) का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा है और शनिवार देर रात तक संक्रमण के 65 हजार से अधिक नये मामले सामने आने से कुल संक्रमितों का आंकड़ा 30.38 लाख के पार हो गया तथा 881 कोरोना मरीजों की मौत से मृतकों की संख्या 57 हजार के निकट जा पहुंची। वायरस के बढ़ते कहर के बीच राहत की बात यह है कि मरीजों के स्वस्थ होने की दर में लगातार सुधार हो रहा है और आज यह 75 फीसदी के करीब पहुंच गयी। महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश और तमिलनाडु समेत विभिन्न राज्यों से मिली जानकारी के अनुसार आज देर रात तक 65,212 नये मामले सामने आने से संक्रमितों का कुल आंकड़ा 30,38,581 तथा मृतकों की संख्या 56,809 हो गयी है। स्वस्थ होने वालों की अपेक्षा नये मामलों में निरंतर वृद्धि के कारण सक्रिय मामलों भी बढ़ते जा रहे हैं। आज 9,545 और मरीज बढ़ जाने से कुल सक्रिय मामले 7,06,875 हो गये। इस दौरान 53,546 लोगों के स्वस्थ होने से संक्रमण मुक्त होने वालों का आंकड़ा 22,74,345 पर पहुंच गया जिससे स्वस्थ होने वाले मरीजों की दर गत दिवस के 74.64 प्रतिशत से आज सुधरकर 74.84 फीसदी पर पहुंच पहुंच गयी। मृत्यु दर भी घटकर 1.88 फीसदी रह जाने से राहत मिली है। राज्यों से प्राप्त रिपोर्ट के मुताबिक महाराष्ट्र में सबसे अधिक 14,492 मामले सामने आये। इसके बाद आंध्र प्रदेश में 10276, कर्नाटक में 7330, तमिलनाडु में 5980, उत्तर प्रदेश में 5217, पश्चिम बंगाल में 3232, ओडिशा में 2819, बिहार में 2238, केरल में 2172, दिल्ली में 1412, पंजाब में 1316, मध्य प्रदेश में 1226 और हरियाणा में 1161 नये मामले दर्ज किये गये। कोरोना महामारी से सबसे गंभीर रूप से प्रभावित महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों के दौरान संक्रमण के रिकॉर्ड 14,492 मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की संख्या आज रात तक बढ़कर 6,61,942 हो गयी।

डालीगंज स्थित मनकेश्वर मंदिर में गणेश चतुर्थी के अवसर पर मूर्ति को स्थापित करती महान दिव्या गिरी के बात होली एक दूसरे को रंग लगाकर खुशी मनाते बच्चे

तिलक-तराजू के नाम पर जहर घोलने वाले अब राम-राम, परशुराम जप रहेः योगी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के तीसरे दिन योगी आदित्यनाथ सरकार ने कुल 17 विधेयक पेश किए जो कि पारित हो चुके हैं। वहीं विस में सीएम योगी ने सभी को गणेश चतुर्थी की बधाई दी। इसके बाद उन्होंने श्रीराम के बहाने विपक्ष पर जुबानी हमला बोला। उन्होंने कहा कि रोम की भाषा बोलने वाले अब राम-राम बोल रहे हैं। सीएम ने आगे कहा कि राम का नाम किसी भी नाम से लें उद्धार होगा फिर वो चाहें परशुराम नाम पर ही क्यों न हो, परशुराम के नाम में भी राम का नाम आता है। उन्होंने कहा कि आज लोग जाति की राजनीति कर जातिवाद का झंडा ऊंचा कर रहे हैं। इतना ही नहीं 'कुछ लोग तिलक-तराजू के नाम पर जहर घोलते थे' अब वही लोग राम-राम, परशुराम का जाप कर रहे हैं। ये नहीं जानते कि राम-परशुराम में कोई भेद नहीं, बस कुछ लोगों की बुद्धि में भेद है जो कि इनकी विभाजनकारी मंशा दिख रही है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में मंदिर निर्माण शुरू हुआ यूपी के लिए ये एक गौरव का विषय है। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व गृह मंत्री अमित शाह को हृदय से बधाई दी। उन्होंने कहा कि 492 वर्षों से इसका इंतेजार था- हम सब बहुत सौभाग्यशाली है। 'प्रभु राम की ताकत को विश्व ने समझा' है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला सर्वसम्मत से आया और राममंदिर निर्माण होने को है इसीलिए 'कुछ लोग अपने अंदर की कुंठा को दबा नहीं पाए'।उन्होंने कहा कि 'कुछ लोग तिलक-तराजू के नाम पर जहर घोलते थे'अब लोग राम-राम, परशुराम का जाप कर रहे ये भूल रहे कि लोकतंत्र में मर्यादा और धैर्य बहुत महत्वपूर्ण है। दरअसल संकीर्ण सोच वाले राम-परशुराम में भेद करते जबकि दोनों ही भगवान विष्णु के अवतार हैं। कुछ देर के लिए जनता की आंख में धूल झोंक सकते मगर विधाता से नहीं बच सकते हैं।

बीजेपी पर अखिलेश का तंज

पहले नकली किताब का धंधा करने वालों को पढ़ाएं नैतिक शिक्षा का पाठ

लखनऊ, संवाददाता। मेरठ में एनसीईआरटी की नकली किताब छापने वाले गिरोह का एसटीएफ की टीम ने भंडाफोड़ किया है। पुलिस छापेमारी के दौरान मौके से एक दर्जन लोगों को हिरासत में लिया गया है। इस पर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बीजेपी को निशाने पर लिया है। अखिलेश ने ट्वीट कर लिखा कि शिक्षा-नीति में बदलाव करने वाली भाजपा पहले अपने उन नेताओं को नैतिक-शिक्षा के पाठ पढ़ाए जो करोड़ों रूपए के 'नकली किताबों' के गोरखधंधे में संलिप्त हैं। सपा अध्यक्ष ने लिखा कि नकली ईमानदारी का चोगा ओढ़े लोगों का सच अब सामने आ गया है। बता दें कि मेरठ में एसटीएफ और पुलिस की टीम ने शुक्रवार को थाना परतापुर क्षेत्र में एक गोदाम पर छापा मारकर अवैध तरीके से छपाई कर उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, दिल्ली और आसपास के राज्यों में आपूर्ति की जा रहीं करीब 35 करोड़ रुपए की एनसीईआरटी की किताबें तथा 6 प्रिंटिंग मशीन बरामद की हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय साहनी के अनुसार सुशांत सिटी के रहने वाले सचिन गुप्ता का परतापुर थाना क्षेत्र में गगोल रोड पर किताबों का गोदाम है जहां अवैध तरीके से राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की किताबों की छपाई कर आसपास के राज्यों में इनकी आपूर्ति की जाती थी। आज एक सूचना के आधार पर एसटीएफ और पुलिस टीम ने संयुक्त रूप से छापा मारा। साहनी ने बताया कि छापेमारी के दौरान मौके से एक दर्जन लोगों को हिरासत में लिया गया है। साथ ही गोदाम को सील कर मौके से लगभग 35 करोड़ रुपये की एनसीईआरटी की किताबें बरामद की गई हैं। किताबें छापने वाली प्रिंटिंग मशीनों को भी सील कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि दिल्ली और उत्तराखंड समेत कई राज्यों में इन किताबों की आपूर्ति की जा रही थी।

संदिग्ध आतंकी यूपी पुलिस की पूछताछ में कर सकता है बड़े खुलासे दिल्ली रवाना हुई एटीएस

लखनऊ, संवाददाता। दिल्ली में आईएसआईएस के एक संदिग्ध आतंकवादी की गिरफ्तारी के बाद उत्तर प्रदेश में भी अलर्ट घोषित कर दिया गया है और राज्य के आतंकवाद विरोधी दस्ते (एटीएस) की एक-एक टीम दिल्ली तथा बलरामपुर रवाना हो गई है। यूपी पुलिस भी पकड़े गए आतंकी से पूछताछ करेगी। आतंकी पूछताछ में बड़े खुलासे कर सकता है। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को बताया कि प्रदेश के पुलिस महानिदेशक हितेश चंद्र अवस्थी ने सभी पुलिस अधिकारियों, खास तौर पर क्षेत्र में तैनात अफसरों को सतर्क रहने और जरूरी एहतियात बरतने की हिदायत दी है। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि दिल्ली में गिरफ्तार उत्तर प्रदेश के बलरामपुर निवासी आतंकवादी ने पूछताछ में पुलिस को बताया है कि उसकी अयोध्या में राम मंदिर शिलान्यास के एक महीने के भीतर आतंकी हमला करने की योजना थी। प्रवक्ता के मुताबिक पकड़े गए आतंकवादी ने यह भी बताया है कि संशोधित नागरिकता कानून के खिलाफ प्रदेश के विभिन्न जिलों में पिछले साल के अंत में हुई हिंसा में उपद्रवियों से वसूली, संपत्तियों की कुर्की के नए कानून और राज्य में पुलिस के साथ मुठभेड़ में अल्पसंख्यक समुदाय के 47 अपराधियों के मारे जाने का बदला लेने की भी तैयारी थी। उन्होंने बताया कि दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ से संपर्क करने के बाद उत्तर प्रदेश का आतंकवाद रोधी दस्ता दिल्ली रवाना हो गया है। इसके अलावा दस्ते की एक टीम बलरामपुर भी गई है। गिरफ्तार आतंकी बलरामपुर का निवासी बताया जा रहा है। गौरतलब है कि दिल्ली पुलिस ने मध्य दिल्ली के रिज रोड इलाके से आईएसआईएस के एक कथित आतंकवादी को गिरफ्तार कर उसके पास से आईईडी विस्फोटक बरामद किए हैं। यह गिरफ्तारी शुक्रवार रात को मुठभेड़ के बाद हुई है।

2.5 वर्ष में सुप्रीम, हाई कोर्ट जजों के खिलाफ 534 शिकायतें

लखनऊ, संवाददाता। विधि एवं न्याय मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा लखनऊ स्थित एक्टिविस्ट डॉ नूतन ठाकुर को आरटीआई में दी गयी सूचना के अनुसार 2018 से 2020 के अब तक पिछले 2.5 वर्ष में हाई कोर्ट व सुप्रीम कोर्ट जजों के खिलाफभारत सरकार को कुल 534 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, इसमें 122 शिकायतें सुप्रीम कोर्ट जजों तथा 412 शिकायतें विभिन्न हाई कोर्ट जजों के खिलाफ थीं, सुप्रीम कोर्ट जजों के खिलाफकी गयी शिकायतों में 52 शिकायतें ऑनलाइन तथा 70 शिकायतें ऑफलाइन भेजी गयीं. हाई कोर्ट जजों के खिलाफ164 शिकायतें ऑनलाइन तथा 248 शिकायतें ऑफलाइन भेजी गयी थीं, सुप्रीम कोर्ट जजों के खिलाफवर्ष 2018 में 62, 2019 में 53 तथा इस वर्ष अब तक 06 शिकायतें मिली हैं. हाई कोर्ट जजों के खिलाफवर्ष 2018 में 204, 2019 में 180 तथा इस वर्ष 28 शिकायतें मिली हैं, नूतन को दी सूचना के अनुसार ये शिकायतें कई पृष्ठों में होती हैं. भारत सरकार इन शिकायतों पर कोई संज्ञान नहीं लेता है और इन्हें सीधे सुप्रीम कोर्ट या संबंधित हाई कोर्ट के चीफजस्टिस को भेज देता है. न्यायपालिका द्वारा इन शिकायतों पर की गयी कार्यवाही से भारत सरकार को अवगत नहीं कराया जाता है।

मंत्री के दवाब में ठगी की एफआईआर नहीं!

लखनऊ, संवाददाता। एक्टिविस्ट डॉ नूतन ठाकुर ने अनी ग्रुप द्वारा की गयी ठगी के संबंध में अमेठी जिले में राजनैतिक दवाब में पीड़ितों के एफआईआर दर्ज नहीं किये जाने का आरोप लगाया है, डीजीपी एचसी अवस्थी को भेजे अपने पत्र में नूतन ने कहा कि अनी ग्रुप के सीएमडी अजित गुप्ता तथा उसके गैंग के सदस्यों ने लखनऊ के आसपास कई जिलों के लोगों से हजारों करोड़ की ठगी की. अयोध्या, लखनऊ सुल्तानपुर आदि जिलों में उसपर एफआईआर दर्ज है, लेकिन अमेठी जिले में तमाम पीड़ितों के एफआईआर दर्ज नहीं किये जा रहे हैं, जिसका कारण प्रदेश सरकार में मंत्री सुरेश पासी तथा अन्य नेताओं का दवाब बताया जा रहा है,नूतन ने कहा कि अनी ग्रुप तथा मंत्री सुरेश पासी में नजदीकी रिश्ते बताये गए हैं. यह कहा जा रहा है कि मंत्री इस ग्रुप के तमाम कार्यक्रम में शामिल होते रहे थे. ऐसी ही एक फोटो में वे अजित गुप्ता से डायमंड रिंग पाते दिख रहे हैं. इन्ही कारणों से पुलिस पर एफआईआर दर्ज नहीं करने का दवाब बताया जाता है,नूतन ने इन तथ्यों के आधार पर इन पीड़ित लोगों की एफआईआर दर्ज करा कर उन्हें न्याय दिलाये जाने की मांग की है।

रेलवे सुरक्षा बल ने महिला को परिजन से मिलवाया

लखनऊ, संवाददाता। सदैव की भांति उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के रेलवे सुरक्षा बल ने पुनः अपनी निष्ठावान एवम् समर्पित कार्य शैली को दर्शाते हुए एक महिला को उसके परिवार से मिलवाने का पुनीत कार्य किया। आज अयोध्या स्टेशन पर गश्त चेकिंग के दौरान रेलवे सुरक्षा बल के कर्मचारियों को एक महिला परेशान स्थिति में अपने छोटे बच्चों के साथ प्लेटफार्म संख्या एक पर मिली, संदेह होते ही कर्मचारियों द्वारा तत्काल उक्त महिला एवम् उसके बच्चों को को अपने संरक्षण में लेकरआर.पी.एफचौकी,अयोध्या लाकर उससे पूछताछ की गई जिसमें उक्त महिला ने अपना नाम मोती देवी पत्नी कमलेश दास निवासी डेहरी ऑन सोन जिला सासाराम बिहार एवम् वर्तमान पता भूतनाथ आश्रम थाना कोतवाली जिला अयोध्या बताया तथा यह भी बताया कि आपस में पारिवारिक विवाद होने के कारण अपने मायके जाने हेतु आई है। तदोपरांत महिला के बताए विवरण पर स्टाफ द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए उक्त महिला के परिजनों को इस विषय में सूचित करते हुए उसके पति कमलेश दास को चौकी पर बुलवाकर दोनों को समझा-बुझाकर समस्या का समाधान करते हुए राजी होने पर मयसामान सहित महिला एवम् बच्चों को सकुशल उसके पति कमलेश दास के सुपुर्द किया गया। महिला के परिजन द्वारा इस पुनीत कार्य हेतु रेल प्रशासन की सराहना करते हुए कृतज्ञतापूर्ण आभार व्यक्त किया गया।

कुल्हाड़ी से हत्या कर शव बाग में फेंक कर फरार हुए बदमाश जांच में जुटी पुलिस

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के ग्रामीण में अभी पुलिस निगोंहा में हुई हत्या का खुलासा कर भी नहीं पाई थी कि बदमाशों ने माल थाना क्षेत्र में एक और हत्या कर पुलिस को खुली चुनौती दे डाली है। माल थाना के सेंसी गांव में 32 वर्षीय युवक का शव बाग में मिलने से ग्रामीणों में सनसनी फैल गई। जिसकी लोगों ने पुलिस कंट्रोल रूम पर सूचना दी। जानकारी पाते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है। आपको बता दें कि, पूरा मामला माल थाना क्षेत्र के सेंसी गांव का है। जहां बेखौफ हुए बदमाशों ने 32 वर्षीय सुरेन्द्र नामक युवक की कुल्हाड़ी से हत्या कर उसके शव को बाग में फेंककर फरार हो गये। सुबह जब ग्रामीणों ने खून से लथपथ शव को बाग में देखा तो इस घटना की जानकारी पुलिस को दी। हत्या की सूचना पाते ही आनन-फानन में मौके पर पहुंच पूरे मामले की जांच कर कार्रवाई करने की बात कर रही है। फिलहाल पुलिस को मौके से कोई भी आलाकत्ल नहीं बरामद हुआ है। वहीं अगर सूत्रों की मानें तो सुरेन्द्र की हत्या प्रेम-प्रसंग में की गई है। बताया जा रहा है कि मृतक सुरेन्द्र गांव की ही एक महिला के संपर्क में था और उसका उस महिला से अवैध संबंध भी था। जिसके कारण ही सुरेन्द्र ही बीती देर रात कुल्हाड़ी से हमला कर उसकी हत्या कर दी गई। साथ ही हत्या कर उसके शव को सेंसी गांव के एक बाग में फेंक कर फरार हो गये। अब देखने वाली बात तो यह होगी कि पुलिस इस हत्या का कब तक खुलासा कर पाती है।

यूरिया की कमी को तुरन्त दूर करे यूपी सरकारः मायावती

लखनऊ, संवाददाता। कोरोना महामारी की मार झेल रहे उत्तर प्रदेश के किसानों की हालत ठीक नहीं है। धान की बुआई के बाद उन्हें प्रदेश में खाद की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में अब उन्हें टाइम पर खाद भी नहीं मिल पा रही है जिसकी वजह से उन्हें फसल बर्बाद होने का डर सता रहा है। इस मामले को लेकर बसपा सुप्रीमो मायावती ने चिंता जाहिर की है। साथ ही उन्होंने सरकार से जल्द से जल्द किसानों को यूरिया मुहैया कराने की अपील की है। मायावती ने शनिवार को ट्वीट किया ''यूपी में लाखों किसान परिवार प्रदेश में यूरिया खाद की किल्लत से बहुत परेशान हैं। सरकार यूरिया की कमी को तुरन्त दूर करे व इसकी कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करे ताकि दोहरी मार झेल रहे किसानों को इस वर्ष फिर बर्बाद होने से बचाया जा सके। बीएसपी की यह माँग है।

रेप का विरोध करने पर युवती का गला दबाकर कर दी थी हत्या

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में बढ़ते अपराध की घटनाओं ने योगी सरकार की कानून व्यवस्था पर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। यही वजह है कि अब पुलिस भी अपराधियों की धर पकड़ में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। इसी क्रम में लखनऊ पुलिस कमिश्नर सुजीत पांडेय के सख्त निर्देश के बाद पारा थाने की पुलिस ने एक चर्चित हत्याकंड का खुलासा कर दिया। दरअसल पुलिस ने पारा के हंसखेड़ा में कुछ दिनों पहले हुए काजल हत्याकांड का खुलासा किया है। जानकारी के मुताबिक, पारा के हंसखेड़ा में किराए के मकान में रहने वाली 21 वर्षीय काजल चौबे की बीते मंगलवार को बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। जिसका शक उसके प्रेमी रजनीकांत वर्मा उर्फ आजाद पर गहरा रहा था। इस वारदात के सामने आने के बाद पुलिस ने आरोपी समेत उसकी सहेली अंजली को गिरफ्तार कर सख्ती से पूछताछ की, जिसमें अब आरोपी ने अपना अपराध कबूल कर लिया है। बता दें कि, काजल की हत्या के बाद उसकी मां संध्या चौबे पत्नी गिरधारी चौबे ने बीती 18 अगस्त को लखनऊ के सरोजनी नगर थाने में मामला दर्ज करवाया था। जिसके बाद पुलिस भी हरकत में आई और इस मामले का पर्दाफाश किया।

पुलिस का कहना है कि रजनीकांत वर्मा उर्फ आजाद, जो कि काजल का बॉयफ्रेंड था, उसने पहले अंजली भारद्वाज उर्फ रानू और काजल के साथ मिलकर खाना खाया और काफी बातें भी की थीं। पारा पुलिस थाने के प्रभारी निरीक्षक त्रिलोकी सिंह का कहना है कि रजनीकांत ने वारदात वाले दिन पहले अंजली और काजल के साथ मिलकर खाना खाया और काफी बातें की। इसके बाद रजनीकांत ने काजल से अपने पुराने संबंधों का हवाला देते हुए उसका रेप करने की कोशिश की थी लेकिन जब काजल ने इसके लिए मना किया, तो उसने गुस्से में आकर काजल की हत्या कर दी। इस पूरी वारदात में अंजली ने भी रनजीकांत का साथ दिया था। यही नहीं काजल की हत्या के बाद किसी को शक न हो, इसलिए उन्होंने इसे आत्महत्या का रूप देने का प्रयास किया और काजल के शव को फंदे से लटका दिया। मामले की जांच कर रही पुलिस का कहना है कि काजल की पूर्व में दो शादियां हो चुकी हैं, हालांकि उसकी यह दोनों शादियां ज्यादा दिन नहीं चलीं। जबकि अभी कुछ दिन पूर्व ही वह रजनीकांत वर्मा के संपर्क में आई थी और रजनीकांत ने ही उसे हंसखेड़ा में किराए पर कमरा दिलाया था और वहां वह अपने परिवार वालों से अलग रह रही थी।

बिस्मिल्लाह खां के पैतृक आवास को बिल्डर के हाथों में जाने से बचाये जाने की मांग

लखनऊ, संवाददाता। 22 अगस्त भारत रत्न एवं प्रसिद्ध शहनाई वादक उस्ताद बिस्मिल्लाह खां की पुण्यतिथि है। उन्होंने शहनाई वादन को देश ही नहीं, विदेशों में भी पहचान दिलाई। वे गंगा-जमुनी तहजीब की अद्भुत मिसाल थे। वे गंगा किनारे की 508 सीढ़ियों को चढ़कर बालाजी मंदिर के नौबतखाने में बैठकर घंटों रियाज में लीन हो जाया करते थे। यही कारण है कि चाहे किसी भी समुदाय के लोग हों, सभी उनका आदर करते थे। उनकी प्रसिद्धि का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड रीगन ने उन्हें अमेरिका में बसने का प्रस्ताव दिया और अमेरिका में ही बनारस बसा देने की बात कही, किन्तु उन्होंने यह कहकर प्रस्ताव ठुकरा दिया कि बनारस के घर के कमरे में रखी चारपाई पर आने वाली नींद और मेरी गंगा कहां से लाओगे। किन्तु बिडम्बना ये कि मातृभूमि से इस हद तक प्यार करने वाले शहनाई सम्राट की पुण्यतिथि के चंद दिनों पहले अखबारों में खबर आई कि वाराणसी स्थित उनके पैतृक मकान को ढहाकर अपार्टमेंट बनवाने के उद्देश्य से माली हालत ठीक न होने की दुहाई देकर उनके बेटे के द्वारा बिल्डर को सौंप दिया गया और 12 अगस्त की रात से सबसे पहले उस कमरे को धराशाई करना शुरू कर दिया गया, जिसमें वे रियाज करते थे और रहते थे। उनके बेटे का कहना है कि हम अब्बा के नाम पर ऊपर संग्रहालय बनवा देंगे, किंतु एक बात ध्यान देने योग्य है कि उस्ताद बिस्मिल्लाह खां न केवल बनारस, बल्कि देश की शान हैं और उनसे जुड़ी हुई हर एक चीज देश की सांस्कृतिक धरोहर है। उसे इस तरह से जमींदोज कर देना पूरे देश के लिए अपमान एवं शर्म की बात है। देश के अन्य महापुरुषों की स्मृतियों की तरह शहनाई वादक बिस्मिल्लाह खां की स्मृतियों को सांस्कृतिक धरोहर के रूप में सुरक्षित एवं संरक्षित रखना भारत सरकार एवं संस्कृति मंत्रालय का परम कर्त्तव्य है। ऐसे में, छात्र संगठन ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टूडेंट आर्गेनाइजेशन के राज्य सचिव दिलीप कुमार, युवा संगठन ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक यूथ आर्गेनाइजेशन के राज्य सचिव मकरध्वज एवं ऑल इंडिया महिला सांस्कृतिक संगठन की राज्य सचिव वंदना सिंह ने संयुक्त बयान जारी करते हुए केंद्र एवं राज्य सरकार से बिस्मिल्लाह खां के पैतृक आवास को बिल्डर के हाथों में जाने से बचाये जाने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि जिस तरह बनारस के ऐतिहासिक स्थलों एवं महापुरुषों से जुड़े स्थलों को सांस्कृतिक केंद्र एवं धरोहर के रूप में विकसित किया जा रहा है, ठीक उसी तरह बिस्मिल्लाह खां के पैतृक आवास को राष्ट्रीय सांस्कृतिक धरोहर घोषित करते हुए संग्रहालय के रूप में संरक्षित किया जाये।

भाजपा की उत्तर प्रदेश इकाई ने अपनी टीम की घोषणा की

लखनऊ, संवाददाता। भारतीय जनता पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई ने शनिवार को अपनी टीम की घोषणा की। पार्टी ने बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह की ओर से जारी बयान में कहा गया कि नोएडा से विधायक पंकज सिंह को उपाध्यक्ष बनाया गया है। विधान परिषद सदस्य लक्ष्मण आचार्य और विजय बहादुर पाठक को भी पार्टी का उपाध्यक्ष बनाया गया है। कुल मिलाकर 16 लोगों को उपाध्यक्ष का पद दिया गया है। इसमें कहा गया है कि जेपीएस राठौर और अमरपाल मौर्य को महासचिव नियुक्त किया गया है तथा राज्य इकाई में कुल सात महासचिवों की नियुक्ति की गई है। भाजपा की ओर से जारी बयान में कहा गया कि 16 लोगों को सचिव बनाया गया है। वाराणसी के मनीष कपूर और बरेली के संजीव अग्रवाल को पार्टी का कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने विधानसभा में उठाया बुनकरों का सवाल, बुनकर आयोग बनाने की मांग

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष व तमकुहीराज विधायक अजय कुमार लल्लू ने विधानसभा में नियम 51 के तहत बुनकरों का सवाल प्रमुखता से उठाया। उन्होंने जारी बयान में कहा कि ने आजादी के बाद कृषि क्षेत्र के विकास के साथ-साथ करघा उद्योग को विकसित करने, बुनकरों की आर्थिक उन्नति के लिए उ.प्र. के कई जिलों में हथकरघा उद्योग की कई छोटी-बड़ी इकाइयां स्थापित की और उनकी बेहतरी के लिए बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई थी, ताकि अधिक से अधिक लोगो को रोजगार उपलब्ध हो और कपड़ा के क्षेत्र में देश आत्मनिर्भर बने। अजय कुमार लल्लू ने कहा कि जब तक कांग्रेस की सरकार रही यह उद्योग फलता-फूलता रहा। कांग्रेस के यूपी की सत्ता से बाहर होने के बाद यह क्षेत्र नई सरकारों द्वारा लगातार उपेक्षित होता चला गया। जिसका परिणाम यह है कि लगभग 80 प्रतिशत हथकरघा उद्योग बन्द हो चुका है। लाखों परिवारों के रोजगार छिन चुके हैं। जौनपुर, खलीलाबाद, अम्बेडकरनगर, अमरोहा, बाराबंकी, इलाहाबाद, सीतापुर आदि जनपदों में करघा उद्योग लगभग बन्द ही हो चुका है। जबकि मऊ, टाण्डा, भदोही, वाराणसी, गोरखपुर आदि जनपदों में जहां चल रहे हैं वहां भी हालत काफी दयनीय है। उन्होंने कहा कि बुनकरों के लिए बुनियादी सुविधाओं का भयानक अभाव है। बुनकर करघा बेचकर पलायन कर रहे हैं। बुनकरों के हुनरमंद हाथ रिक्शा-ठेला खींचने को मजबूर हैं। अजय कुमार लल्लू ने नियम 51 के तहत सवाल उठाते हुए बुनकरों के लिए मांग की कि बुनकरों के बिजली का बिल किसानों की भांति फिक्स किया जाए। प्रति लूम विद्युत दर पूर्व की भांति न्यूनतम निर्धारित किया जाए। करघा इकाइयों को अपग्रेड किया जाए। जिससे पूर्वांचल में काटन उत्पादों का निर्माण हो सके। उन्होंने मांग किया कि काटन उद्योग के प्रोडक्शन को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह अनुदान देकर साइजिंग प्लान्ट लगाए जाएं।जौनपुर, मगहर, बाराबंकी, अकबरपुर, अमरोहा, मऊ, गाजीपुर के बन्द पड़े करघा मिलों को फिर से शुरू किया जाए।साथ ही साथ वाराणसी, गोरखपुर, टाण्डा, मऊ और सन्तकबीर नगर जैसे बड़े बुनकर क्षेत्रों को इण्डस्ट्रियल एरिया घोषित कर वहां बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए। तमकुहीराज विधायक अजय कुमार लल्लू ने मांग की कि करघा उद्योग द्वारा उत्पादित वस्त्रों के लाभदायक मूल्य पर बिक्री हेतु पहले की तरह यूपिका हैण्डलूम कार्पोरेशन को संचालित किया जाए। बुनकरों को रंग, धागा आदि कच्चे माल की खरीद और उत्पाद की बिक्री पर सब्सिडी उपलब्ध कराई जाए और उनके उत्पाद के रखरखाव का समुचित प्रबंध किया जाए। उन्होंने मांग की कि बुनकरों को तकनीकी व कौशल प्रशिक्षण देने के लिए प्रदेश में कम से कम दो सरकारी प्रशिक्षण केन्द्र खोले जाएं। बुनकर हित के लिए कांग्रेस शासन में बनाये गये राम शाह कमीशन की रिपोर्ट को लागू किया जाए।बुनकरों के आर्थिक और शैक्षिक पिछड़ेपन की समस्याओं को दूर करने के लिए अन्य आयोगों की भांति बुनकर आयोग का गठन किया जाए। उन्होंने मांग की कि हथकरघा उद्योग के बेहतरी के लिए ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जाए।

नगर पंचायत प्रशासन कस्बे का कचरा हाईवे किनारे करा रहा डम्प

क्षेत्रीय लोगो समेत राहगीरों ने जताया रोष

जहानाबाद, फ्तेहपुर । आदर्श नगर पंचायत कहीं जाने वाली नगर पंचायत जहानाबाद स्वच्छता भारत अभियान के तहत अपनी कारगुजारियों व कमियों को छुपाते हुए कस्बे का गंदगी भरा कचरा तीन लोडर वाहनों से दूसरे क्षेत्र में हाईवे मार्ग के किनारे जमा करने का कार्य कर रही है। जिसमें विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी अपनी लापरवाही के चलते हाईवे रोड के किनारे बस्ती का कचरा एकत्रित कर गंदगी फैलाने का काम कर रही है।

इन दिनों जहानाबाद कस्बा के अनेकों जगह कचरे का डंप होने से गंदगी का शुमार है। लोगों के घरों के अगल-बगल कचरा एकत्रित जमा होने से वर्तमान समय हो रही छुट-पुट बरसात के पानी से जो कचरे का सड़न हो रहा है। जिसमें अनेक प्रकार के कीटाणु पल रहे होंगे। जिनसे गंभीर बीमारियां भी फैल सकती हैं। नगर पंचायत अपनी नाकामियों को छुपाते हुए अपनी जेसीबी से कर्मचारियों द्वारा कचरे को बराबर कर ऊपर से मिट्टी छोड़कर अपनी कमियों को छुपा रही है और ऊपर से बढ़ने वाला जो भी कचरा बढ़ रहा है वह नगर पंचायत कर्मचारियों के द्वारा लोडर में लादकर नेशनल हाईवे 2 मार्ग किनारे दूसरे क्षेत्र शकूराबाद (सराएं लंगर) बकेवर क्षेत्र में आलमपुर और पतारी मोड़ के बीच हाईवे रोड किनारे दिन में कचरा पलटाते हुए देखा गया। जब कर्मचारी लोडर वाहन से कचरा पलटा रहे थे तभी दैनिक समाचार पत्र के पत्रकार ने जैसे ही कचरा पलटाए जाने की फोटो खींची, तो तत्काल वहां से कर्मचारी अपने तीनों लोडर लेकर जहानाबाद क्षेत्र में प्रवेश कर लिए।

इससे साफजाहिर होता है कि शासन के मूल प्लान स्वच्छ भारत अभियान के नियमों को हता बता कर कस्बे का कचरा इधर-उधर के क्षेत्रों में कर्मचारियों द्वारा भेजा कर फेंकाया जा रहा है। अब ऐसे में लोग नगर पंचायत को कम वर्तमान समय सरकार को बदनाम करने पर कोई को कोर कसर छोड़ने वाले। विभागीय कर्मचारी अधिकारियों की कमियों के चलते सरकारों को बदनामी का मुंह देखना पड़ता है। शासन द्वारा निर्गत जहानाबाद कस्बा के लिए कचरा डंप करने हेतु एमआरएफ सेंटर का निर्माण होना था जो अभी तक एमआरएफ सेंटर निर्माण का कहीं अभी तक अता पता भी नहीं है। जबकि राजस्व विभाग द्वारा एमआरएफ सेंटर बनवाने हेतु जमीन को निकाला भी जा चुका था। कस्बे के हाईवे मार्ग सहित अनेक मोहल्ला बस्तियों के अंदर नुक्कड़ व खाली जगहों पर कचरे का डंप होने से उठ रही गंदगी व कीटाणुओं के पलने से कभी भी गंभीर बीमारी का रूप ले सकती है। जिस पर शासन और प्रशासन को इस स्वच्छ भारत अभियान के तहत आम जनमानस की सुरक्षा व बचाव हेतु पैनी निगरानी व जांच के तहत स्वच्छ भारत अभियान के मूल अभियान को सफल बना सकते हैं। अधिशासी अधिकारी कुलवंत सिंह से हाईवे रोड किनारे नगर पंचायत के कचरे को बाहरी क्षेत्र में पलटने से संबंधित जानकारी ली गई तो उन्होंने बताया कि हमारे यहां के वाहन व कर्मचारी नहीं होंगे और मैं जानकारी कर रहा हूं।

विद्युत टीम ने बकायेदारों की काटी बिजली कटियाबाजों में मचा हड़कम्प

कई उपभोक्ताओ ने मौके पर जमा किया बिल

बिन्दकी, फ्तेहपुर । विद्युत विभाग की टीम द्वारा छापेमारी की कार्रवाई से हड़कंप मचा रहा। जिन उपभोक्ताओं ने बकाया विद्युत बिल नहीं जमा किया था उनके कनेक्शन काट दिए गए या फिर मौके पर ही बिल जमा करा गया। विद्युत विभाग की टीम क्षेत्र के खजुहा व लखना खेड़ा गांव पहुंची जहां पर पुलिस ने छापेमारी की कार्रवाई की। विद्युत विभाग की टीम ने उपभोक्ताओं के विद्युत बिल नहीं जमा थे। उनके कनेक्शन काट दिए या फिर मौके पर ही बिल जमा कराया गया। विद्युत विभाग की कार्रवाई से ग्रामीणों में हड़कंप मचा रहा। इस मामले में विद्युत विभाग के एसडीओ प्रशांत शुक्ला ने बताया कि टीम द्वारा छापेमारी की कार्रवाई की है। जिन लोगों ने बकाया विद्युत बिल नहीं जमा किए उनके कनेक्शन काट दिए गए या फिर मौके पर ही बिल जमा कराया गया है। इसके अलावा इस बात की भी जांच की गई कि कहीं पर अवैध रूप से कटिया लगाकर विद्युत कनेक्शन तो नहीं किए गए।

लोगों को हिदायत दी गई है कि अवैध रूप से बिजली मत जलाएं तथा जिन लोगों को बकाया विद्युत बल है उन्हें तुरंत जमा करें वरना बिजली काट दी जाएगी। इस मौके पर अवर अभियंता प्रमोद सिंह ने कहा कि जिन घरों में मीटर नहीं लगे हैं उन घर में भी मीटर लगवाए जा रहे हैं ताकि प्रत्येक घर में खर्च होने वाली विद्युत का पता चल सके और विद्युत बिल वसूला जा सके। इस मौके पर विद्युत विभाग के लाइनमैन सुरेश चंद तथा प्रिंस मिश्रा सहित विद्युत विभाग के कई कर्मचारी मौजूद रहे।

चिल्ली गांव में स्वास्थ्य विभाग टीम ने मरीजों का किया परीक्षण

जहानाबाद, फ्तेहपुर । देवमई विकास खण्ड क्षेत्र के ग्राम चिल्ली में फैली संक्रामक बीमारी के चलते प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र देवमई प्रभारी की अगुवई में स्वास्थ्य विभाग टीम ने बीमार लोगों की जांच बाद दवाएं उपलब्ध कराते हुए स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। स्वास्थ्य विभाग टीम ने कैंप लगाकर मरीजों का उपचार किया।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार कस्बा क्षेत्र के ग्राम चिल्ली बीडीसी राजबहादुर के अवास में आज स्वास्थ्य विभाग टीम से डॉक्टर रघुराज सिंह के नेतृत्व में डॉ अमित चौधरी, डॉक्टर प्रकाश वर्मा, राम जी राव, शैलेंद्र वर्मा फार्मासिस्ट एवं प्रदीप कुमार वर्मा एलटी के साथ पहुंचकर स्वास्थ्य कैंप लगाकर मरीजों का उपचार किया।

डॉ0 अमित चौधरी ने बताया कि चिल्ली गांव में लगातार स्वास्थ्य विभाग की टीम रोगियों का उपचार कर रही है। शनिवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने 48 मरीज देखे। जिनमें 35 मरीजों की स्लाइड बनाई गई। 05 मरीजों में मलेरिया पॉजटिव पाया गया। 37 मरीज बुखार से ग्रसित और 05 मरीज बदन दर्द पीड़ित पाए गए तथा 03 मरीज पेट दर्द से संबंधित का उपचार किया गया। उपचार दौरान मरीजों को गर्म पानी पीने के साथ सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करने के बारे में कहा गया और घर में व अगल-बगल फैली गंदगी को साफ सफाई नियमित रूप से रखने के बारे में भी बताया गया है।

घरेलू विवाद के चलते युवक को पीटा

बिन्दकी, फ्तेहपुर । घरेलू विवाद के चलते युवक को पीट कर घायल कर दिया गया। पीड़ित युवक पुलिस के पास पहुंचा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं घायल को मेडिकल के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया है। जानकारी के अनुसार नगर के मोहल्ला पैगंबरपुर निवासी पप्पू सोनकर उम्र 35 वर्ष को घरेलू विवाद के चलते उसके पिता मुन्नीलाल तथा दो भाइयों सतीश तथा सुनील कुमार ने पीटकर लहूलुहान कर दिया।

पीड़ित पप्पू सोनकर पुलिस के पास पहुंचा। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं पप्पू सोनकर को मेडिकल के लिए सीएचसी भेज दिया गया। पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है इस मामले में पीड़ित पप्पू सोनकर ने बताया कि उसके पिता तथा दो भाइयों ने मिलकर उसे मारा पीटा है और अक्सर मारपीट करते हैं।

बेटी के लिए लड़का देखने जा रही महिला को ट्रक ने कुचला

फ्तेहपुर । थरियांव थाना क्षेत्र के आंबापुर हाईवे में शनिवार को मध्यान्ह 12 बजे बेटे के साथ बाइक से बेटी के लिए लड़का देखने जा रही 48 वर्षीय मां को ट्रक ने कुचला दिया। जिससे उसकी मौत हो गयी। वीभत्स हादसा देख लोगों के रोंगटे खड़े हो गए। स्थानीय लोगों ने तत्काल घटना की सूचना पुलिस को दी। हादसा होते ही ट्रक चालक ट्रक छोड़ कर फरार हो गया। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के महोई गांव निवासी फारूक अली की पत्नी शाहीन फात्मा अपने बेटे फैसल के साथ बाइक से हसवा गांव बेटी की शादी के लिए लड़का देखने जा रही थी। हाइवे पर आंबापुर गांव के पास पेट्रोल पंप के सामने पहुंचते ही प्रयागराज से कानपुर की ओर जा रहे तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दिया। टक्कर लगते ही शाहीन ट्रक के नीचे पहुंच गई और ट्रक रौंदता हुआ आगे निकल कर खंती में घुस गया। हादसे में महिला का क्षत-विक्षत शव देख आसपास मौजूद ग्रामीणों के रोंगटे खड़े हो गए। प्रभारी निरीक्षक थरियांव एमपी सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही पहुंची पुलिस ने बिखरे हुए शव को कब्जे में लेकर विच्छेदन के लिए भेज दिया। उन्होंने ने कहा कि टक्कर से बाइक चला रहा युवक डिवाडर में पहुंच गया, जिससे उसको खास चोटे नहीं आयी। ट्रक चालक हादसे के बाद फरार हो गया।

ट्रक की चपेट में आकर युवक की मौत

खागा, फ्तेहपुर । कोतवाली क्षेत्र के कटोघन चौराहे के समीप रिश्तेदारी वापस बाइक से गांव जा रहे युवक की शनिवार को सड़क दुघर्टना में मौत हो गई जबकि बाइक में पीछे बैठे युवक के पिता को मामूली चोट लगी। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के त्योंजा गांव निवासी रामनाथ अपने पुत्र सोनू 20 वर्ष के साथ बाइक से इसी थाना क्षेत्र के बुदवन गांव रिश्तेदारी में गया था। शनिवार को पिता-पुत्र दिन के करीब 12.30 बजे बाइक से वापस त्योंजा जा रहे थे। हाइवे पर चढ़ते ही युवक तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आ गया। ट्रक ने युवक को रौंद दिया, जबकि पिता छटक कर दूर गिरा, जिससे उसको हल्की चोंटे आयीं। घटना की सूचना मिलते ही पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विच्छेदन कराया। बाद में शव अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया।

नि:शुल्क ऑनलाइन पढ़ाई की मिसाल बने अरविंद सचान

अमौली, फ्तेहपुर । कोरोना वैश्विक महामारी की वजह से शिक्षा ग्रहण करने वाले व विभिन्न तरह की सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे छात्र/छात्राओं को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जहाँ एक तरफ इस महामारी के दौर में सभी कोचिंग सेंटर बंद पड़े है तो वहीं दूसरी तरफ सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे छात्रों को ऑनलाइन पढ़ाई को बढ़ावा देने के लिए अरविंद सचान व उनकी टीम ने छात्रों के लिए नई उम्मीद जगा दी है। अरविंद सचान व उनकी टीम क्लास नोट्स के नाम से यूट्यूब और व्हाट्सएप पर छात्रों को ऑनलाइन तैयारी करवा रही है। अरविंद सचान ने बताया कि उनकी टीम आने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी ऑनलाइन करवा रहे है जिसमें छात्रों से किसी भी प्रकार का कोई शुल्क नही लिया जाएगा। उन्होने बताया कि मैथ, रीजनिंग, जीएस, अंग्रेजी व हिंदी आदि सभी विषय पढ़ा रहे है जिसमे महत्वपूर्ण योगदान प्रशांत व प्रवीन का है। उन्होंने बताया कि अगर किसी कोचिंग सेंटर को पढ़ाई करवाने में असुविधा है तो हम सुविधा पहुंचाने के लिए अग्रसर है और इसी आगामी 24 अगस्त से यूट्यूब व व्हाट्सएप पर क्लास नोट्स के चैनल पर ऑनलाइन क्लास की शुरूआत होगी।

रोटी गाँव मे हुआ एंटी लार्वा व फागिंग

विचित्र बीमारी से ग्रसित है लोग, स्वास्थ्य टीम ने किया मरीजो का परीक्षण

अमौली, फ्तेहपुर । अमौली ब्लॉक के रोटी गाँव मे संक्रमण फैलने से फैली बीमारियों को रोकने के लिए सीएचसी प्रभारी डॉ0 पुष्कर कटियार के नेतृत्व में और जिला मलेरिया अधिकारी के निर्देशन में स्वास्थ्य टीम ने एंटी लार्वा दवा और फॉगिंग मशीन से कीटनाशक दवाओं का छिड़काव पूरे गांव में किया गया। ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान पर आरोप लगाते हुए कहा कि ग्राम प्रधान द्वारा गाँव मे साफ सफाई का कोई ध्यान नही दिया गया। जिसके कारण संक्रमित बीमारी ने पूरे गाँव को अपने आगोश में ले लिया। अगर ग्राम प्रधान ने समय रहते हुए नालियों और सड़कों की साफ सफाई पर ध्यान दिया होता और समय समय पर कीटनाशक दवाओं का छिड़काव करवाया होता तो गाँव आज महामारी की चपेट में नही आता। जबकि शासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में मच्छरों से निपटने के लिए हर ग्राम पंचायत को फॉगिंग मशीन और कीटनाशक दवाएं उपलब्ध कराई जाती है लेकिन फॉगिंग मशीनें अक्सर ग्राम प्रधानों के घर की शोभा बढ़ाती हुई दिखाई पड़ती है। जहाँ शासन-प्रशासन पर उच्च स्तर पर बैठे लोग बड़े बड़े दावे करते रहते हैं मगर वास्तविक सच्चाई यही है कि आम लोगों तक कोई राहत नहीं पहुँच पा रही है। शासन-प्रशासन मच्छरों से निपटने के लिए समय-समय पर फॉगिंग मशीन से गाँव मे कीटनाशक दवाओं के छिड़काव का निर्देश भी जारी करता रहता है लेकिन ग्राम प्रधान कीटनाशक दवाओं का छिड़काव कराना तक गवारा नहीं समझते है। ऐसे हालतो में ही अक्सर बीमारियां महामारी का रूप धारण कर लेती है। सीएचसी प्रभारी ने गांव के लोगो से अपील करते हुए कहा कि अनावश्यक बरसात का पानी पुराने टायर, गड्ढे, हौज और अन्य जगहों में न जमा होने दे। साफ सफाई का विशेष ध्यान दे। ऐसे उपाय करने से ही संक्रमित बीमारियों से बचा जा सकता है।

गणेश चतुर्थी पर्व

घर-घर विराजे गजानन, गणपति बप्पा मोरिया के लगे जयकारे

फ्तेहपुर । भाद्रपद शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि शनिवार को प्रथम पूज्य गणेश के पूजन का उत्सव जिला मुख्यालय समेत ग्रामीण क्षेत्रों में मनाया गया। गणपति बप्पा मोरया के उद्घोष के साथ भक्तों ने विधि-विधान से अपने-अपने घरों में ही भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित कर शारीरिक दूरी का अनुपालन करते हुए पूजन किया।

वैश्विक महामारी कोरोना वायरस संक्रमण के कारण इस बार जिले में कहीं भी गणेश उत्सव का पंडाल नहीं सजाया गया है।

आचार्य पंडित राजेश अवस्थी ने बताया कि साल भर में पडने वाली चतुर्थियों में यह सबसे बड़ी मानी जाती है। गणेश चतुर्थी पर गणपति का पूजन करने से संपन्नता, समृद्धि, सौभाग्य और धन का समावेश होता है। बता दें कि सरकार के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा जिले में सार्वजनिक स्थानों पर सार्वजनिक पूजा और जुलूसों के अलावा बड़ी गणेश मूर्तियों की स्थापना पर प्रतिबंध लगा दिया था। वहीं लोगों से अपने घरों में ही उत्सव मनाने की अपील भी की थी।

वैदिक मंत्रोच्चारण से गुंजायमान वातावरण और गणपति बप्पा के जयकारे के बीच शनिवार को प्रथम पूज्यदेव श्री गणेश जी की स्थापना कर दी गई।कार्यक्रम की समितिया भव्यता को भले ही सीमित कर दिया हो,लेकिन श्री गणेश जी के प्रति आस्था पहले जैसी ही है।कोई गजानन से कोरोना मुक्ति की कामना की प्रार्थना कर रहा है तो कोई पर्यावण को बचाने के लिए मिट्टी के बने गजानन की स्थापना कर पूजन शुरू कर दिया। शारीरिक दूरी और प्रशासन की जारी कोरोना संक्रमण की गाइडलाइन के साथ पूजन किया गया। घरों में श्री गजानन के प्रति आस्था के साथ उनकी स्थापना की गई।

व्यापारी कल्याण बोर्ड के विशेष आमंत्रित सदस्य बने नरेन्द्र गुप्त

व्यापारियों व वैश्य समाज ने किया स्वागत

फ्तेहपुर । उत्तर प्रदेश व्यापारी कल्याण बोर्ड का नरेंद्र गुप्त को विशेष आमंत्रित सदस्य बनाये जाने पर अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद ने हर्ष व्यक्त करते हुये परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष नरेंद्र को मुह मीठा कर तथा माला पहना कर स्वागत किया तथा बधाई दी। प्रदेश सरकार व बोर्ड के उपाध्यक्ष मनीष गुप्त का भी आभार व्यक्त करते हुये कहा कि अब वह दिन दूर नहीं है जब एक ही मंच पर सभी अधिकारियों के साथ बैठक कर व्यापारियों की समस्याओं का त्वरित निराकरण हो सकेगा।

अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद के तत्वावधान में प्रदेश व्यापारी कल्याण बोर्ड में परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता को विशेष आमंत्रित सदस्य मनोनीत किये जाने पर मुह मीठा कराते हुये माला पहनाकर भव्य स्वागत किया तथा बधाई दी। परिषद के राष्ट्रीय महासचिव विनोद कुमार गुप्त ने कहा कि बडे ही गौरव की बात है परिषद के पदाधिकारी को प्रदेश सरकार द्वारा व्यापारी कल्याण बोर्ड विशेष आमंत्रित सदस्य मनोनीत किया गया है। उन्होने प्रदेश सरकार व बोर्ड के उपाध्यक्ष मनीष गुप्त का आभार प्रकट करते हुये कहा कि परिषद सदैव उनका ऋणी रहेगा और अवसर आने पर व्यापारी समाज व वैश्य समाज इस ऋण को चुनाव में अदा करेगा। गुप्त ने कहा कि इस बोर्ड के माध्यम से जनपद को एक उर्जा प्राप्त हुई है। युवा जिलाध्यक्ष शैलेंद्र शरन सिम्पल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने सदैव व्यापारी समाज व वैश्य समाज के हितों को सर्वोपरि रखा है। यही कारण है कि वैश्य समाज सदैव भाजपा के साथ रहता है। नव मनोनीत विशेष आमंत्रित सदस्य को संगठन का दायित्व सौंप कर व्यापारी समाज व वैश्य समाज का मनोबल बढाया है। ट्रेडर्स एंड इंडस्ट्रीज वेलफेयर एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष राधेश्याम हयारण ने कहा कि व्यापारियों को एक बहुत बडा मिल गया है। अब वह दिन दूर नहीं है जब व्यापारियों की समस्याओं का निराकरण शासन प्रशासन द्वारा त्वरित किया जायेगा। सम्मान समारोह में प्रमुख रूप से वेद प्रकाश गुप्त, संजय, अरूण जायसवाल, संजीव गुप्त, बब्लू गुप्त, आशीष अग्रहरि आदि रहे।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव-13

अमेरिकी सरकार में उपराष्ट्रपति की भूमिका काफी दिलचस्प होती है। इस पद के पास दूसरे उच्चस्तरीय केबिनेट पदों के मुकाबले बहुत कम शासकीय जिम्मेदारियां होती हैं और बहुधा उसे राष्ट्रपति के विकल्प के रूप में ही देखा जाता है। स्पष्ट रूप से किसी परिभाषित भूमिका के अभाव ने स्वयं उपराष्ट्रपतियों को अपनी भूमिका तय करने का मौका दे दिया है। कई ने देश के फैसलों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है- शायद सबसे उल्लेखनीय रहे हैं पूर्व उपराष्ट्रपति डिक चीनी, जिन्होंने जॉर्ज डब्ल्यू. बुश के राष्ट्रपति काल में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई थीं और अक्सर जिनका उल्लेख अब तक 2000 की शुरुआत में कई अमेरिकी सैन्य कार्रवाइयों के पीछे उनके प्रमुख योगदान के कारण होता आया है।

दूसरी तरफ कई मामलों में राष्ट्रपतियों ने राष्ट्रपति के पीछे आराम से कुर्सी पर बैठकर समय बिताया है। उदाहरणार्थ, वर्तमान में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जो बिडेन, बराक ओबामा के राष्ट्रपति काल में शायद ही कभी चर्चा में आए थे। फिर भी इसका अर्थ यह नहीं है कि इस पद का कोई महत्व नहीं है। इस पद पर बढ़ोतरी के पहले उपराष्ट्रपतियों की महत्वपूर्ण भूमिका यह होती है कि वे राष्ट्रपति चुनाव के निर्णय में योगदान करते हैं। यह किसी भी दिशा में हो सकता है- एक प्रभावशाली उम्मीदवार किसी एक विशेष समूह में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की सफलता सुनिश्चित कर सकता है जबकि एक असरहीन उम्मीदवार बोझ बन जाता है। 2008 का चुनाव इस बात का शानदार उदाहरण है कि कैसे उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार अपना प्रभाव छोड़ते हैं। जो बिडेन के साथ जाने की बराक ओबामा की पसंद ने भावी राष्ट्रपति को मध्यवर्गीय श्वेतों के बीच लोकप्रियता हासिल करने में मदद की, जिनकी अमेरिका में सबसे बड़ी जनसंख्या है। एक समय में यह समूह ओबामा के अभियान की कमजोरी था और बिडेन ने इस राजनैतिक गड्ढे को पाटने का काम किया था क्योंकि वे कर्मचारी वर्ग के वोटरों से अच्छी तरह से जुड़े हुए थे। इसके विपरीत रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार जॉन मेकिन की सहयोगी अलास्का की गवर्नर सारा पालिन का मामला सामने है, जो कि उपराष्ट्रपति पद की प्रत्याशी रहीं। एक वक्त था जब पालिन अमेरिकी राजनीति की विवादास्पद शख्सियत थीं, जिन्होंने अपने पुरातन और धार्मिक विचारों के चलते पर्याप्त आलोचना बटोरी थीं। पालिन के रूप में मेकिन का चुनाव इसलिए था क्योंकि राजनीतिक पर्यवेक्षकों को भरोसा था कि वे धार्मिक रूप से कट्टर लोगों के बीच जनाधार बढ़ा सकेंगी। इसकी बजाय पालिन इतिहास की सबसे कुख्यात उपराष्ट्रपति पद की प्रत्याशी साबित हुईं। उनके अनेक साक्षात्कार, भाषण और सार्वजनिक वक्तव्यों की भरपूर आलोचना हुई थी तथा पार्टी प्रचार के दौरान मीडिया से उनके संपर्कों को प्रतिबंधित तक कर दिया गया था। धार्मिक समूहों के बीच जनाधार बढ़ाने की बजाय पालिन जल्दी ही राजनैतिक बोझ बन गई थीं। उन्हें अब भी ओबामा के सम्मुख मेकिन की पराजय के प्रमुख कारण के रूप में याद किया जाता है। सीधे 2020 में चलें तो, बिडेन द्वारा अपनी सहयोगी के रूप में कमला देवी हैरिस का उपराष्ट्रपति पद के प्रत्याशी के रूप में चयन चुनावी परिदृश्य को देखते हुए आश्चर्यजनक नहीं है। सच पूछा जाए तो एक साल पहले तक वे बिडेन की डेमोक्रेटिक पार्टी से नामांकन की प्रतिस्पर्धी थीं और उनकी (बिडेन) सामाजिक मुद्दों संबंधी नीति पर आक्रमण करने के कारण कुछ समय के लिए बदनाम भी हो गई थीं। कई राजनैतिक समीक्षक कमला देवी हैरिस के चयन को बिडेन द्वारा महिलाओं और अफ्रीकी-अमेरिकियों के बीच अपनी स्थिति को मजबूत करने के प्रयास के रूप में देखते हैं। वैसे ही जिस प्रकार वर्तमान रार्ष्टपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 2016 में किया था। बिडेन की सहयोगी के रूप में उनका (हैरिस) चुनाव बुनियादी समूहों में अपनी स्थिति को और मजबूत करना है न कि नये वोटरों को प्रभावित करने की कोशिश है। अब तक के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों में उनकी स्थिति सबसे अनोखी है। कमला देवी हैरिस अब तक की तीसरी महिला उपराष्ट्रपति पद की प्रत्याशी हैं जो अफ्रीकी-अमेरिकी अथवा एशियाई-अमेरिकी वंश की हैं जिन्हें एक प्रमुख राजनैतिक दल ने इस पद का उम्मीदवार बनाया है। वर्तमान में केलिफोर्निया की सीनेटर के वर्तमान उत्तरदायित्व के पहले हैरिस 2010 से 2018 तक राज्य की एटार्नी जनरल रही थीं और उसके पहले सन फ्रांसिस्को की जिला एटार्नी रहीं। इस तरह उनकी प्रदीर्घ कानूनी पार्श्वभूमि किसी उपराष्ट्रपति पद के प्रत्याशी के लिए पहली बार है। इन जिम्मेदारियों के निर्वाह के दौरान उन्होंने राज्य की न्यायिक प्रणाली का नियंत्रण किया था। उनके कार्य प्रदर्शन को लेकर लोगों के मिश्रित विचार हैं।इन भूमिकाओं में उन्होंने कठोर रवैया अपनाया था जिससे सजा का औसत बढ़ा था एवं उस दौरान अनेक नये कानून बनाये व लागू किये गये थे। उनके विवेकाधिकार के अंतर्गत सन फ्रांसिस्को ने अनुपस्थित रहने वाले नाबालिगों के अभिभावकों के खिलाफ मुकदमे चलाये तथा हत्याओं और नशीले पदार्थों का व्यापार करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की थी। इन नीतियों से अनुपस्थिति और हिंसक अपराधों में कमी लाने के लक्ष्य तो पूरे हुए परंतु उन्हें आवश्यकता से अधिक आक्रामक रवैया अपनाने वाली अधिकारी के रूप में भी देखा जाता है। कई मौकों पर हैरिस की आलोचना इस बात के लिए भी की जाती है कि उन्होंने जेल भेजे जाने के निर्णय को सही ठहराया जबकि इस बारे में कई लोगों का विश्वास है कि वह गलत था जिनके कारण त्रुटिवश आरोपी ठहराये गये कैदियों को जेल में रखा गया जबकि उन्हें कम्यूटिंग सजा अथवा पुनरीक्षण की सुविधा देनी चाहिए थी। इस भूमिका में हैरिस की सर्वाधिक आलोचना वैधानिक प्रणाली के बाबत उनकी आक्रामकता को लेकर होती है, जो मुख्यतरू तकनीकी अथवा वे सामान्य नियम हैं जिनके आधार पर बचाव पक्ष को सजा के खिलाफ लड़ने में मदद मिलती है। कई मामलों में उनके द्वारा उन लोगों का विरोध किया गया जो गलती से सजा पाने के कारण मुआवजा चाहते थे। इसके लिए उन्होंने उसी प्रणाली का सहारा लेकर उन्हें या तो वंचित किया अथवा कम मुआवजा दिलाया। दोषपूर्ण तरीके से सजा पाने वालों के मामलों के प्रसिद्ध वकील जेराल्ड श्वाट्र्जबैच का कहना है- श्न्याय ही लक्ष्य है। कानून, नियम अथवा प्रक्रियाएं लक्ष्य नहीं हैं। तकनीकी तर्क के आधार पर वे किसी निर्दोष को सजा सुना देते हैं। मेरे लिहाज से यह आपराधिक न्याय प्रक्रिया के उद्देश्यों से पूर्णतरू विरोधाभासी है।श् वैसे यह आलोचना आने वाले चुनावों में बिडेन-हैरिस के अभियान को शायद ही नुकसान पहुंचाये। आखिरकार जो मतदाता एटार्नी जनरल के रूप में हैरिस की कमजोरी को जानते हैं वे डेमोक्रेट के रूप में शुरुआत करने के इच्छुक हैं और ट्रम्प को वोट नहीं देना चाहते। अभियोजक के रूप में उनके अनुभव ने वाशिंगटन में उनके तेज गति कैरियर को मदद पहुंचायी है, जिससे कांग्रेस की प्रक्रिया को पार करते हुए वे इस स्थिति तक अग्रणी के रूप में पहुंच सकी हैं। कांग्रेस की कार्रवाई और महाभियोग की सुनवाई में ट्रम्प के अभियान में शामिल लोगों से सवाल करने में उनकी प्रमुख भूमिका के साथ उनका कांग्रेस में उदार मतदान का रिकार्ड भी उनके लिए 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के नामांकन हेतु मददगार साबित हुआ था। वैसे कमला देवी हैरिस का चुनाव बिडेन के लिए एक सुरक्षित दांव है- इससे वे बिना कुछ खोने की आशंका के साथ अपनी वर्तमान चुनावी बढ़त को बनाये रख सकेंगे। फिर भी इस चयन के और भी गहरे असर हो सकते हैं। कई लोगों का अनुमान है कि अगर वे जीतते हैं तो बढ़ती उम्र के कारण जो बिडेन 2024 में पुनर्निर्वाचन के लिए खड़े नहीं हो सकेंगे। इसके परिणामस्वरूप उनकी उपराष्ट्रपति इस पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की सबसे अग्रणी दावेदार रहेंगी। कमला देवी हैरिस अगले चुनावी चक्र में शामिल होकर राष्ट्रपति के रूप में मुख्य पसंद हो सकती हैं।

सम्पादकीय

संसद में विमर्श की गुंजाइश

लगभग छह महीनों की खामोशी के बाद अब संसद का शोरगुल फिर सुनाई पड़ने के आसार नजर आने लगे हैं। खबर है कि संसद का मानसून सत्र 22 सितंबर या उससे पहले शुरु हो सकता है। दरअसल अंतिम बजट सत्र 23 मार्च को खत्म हो गया था, और भारत के संविधान के आदेशपत्र के अनुसार, दो सत्रों के बीच अधिकतम छह महीने का अंतर होना चाहिए, जो 22 सितंबर को खत्म हो रहा है। इसलिए अब संसद का लगना जरूरी है। वैसे केंद्र सरकार से अब तक कोई लिखित सूचना नहीं है, इसलिए दोनों संसदीय सचिवालय के अधिकारी अभी तक संसद के मानसून सत्र के शुरू होने की तारीख के बारे में निश्चित नहीं हैं, हालांकि वो सितंबर के दूसरे सप्ताह में सत्र शुरू होने की उम्मीद करते हैं। बजट सत्र को बीच में ही खत्म करना पड़ा था, क्योंकि देश में कोरोना के मामले आने शुरु हो गए थे। लेकिन अब तो इकाई, दहाई में नहीं बल्कि हजारों की संख्या में रोजाना संक्रमण के मामले आ रहे हैं। हर दिन लगभग 60 से 70 हजार मामलों का आना काफी भयावह स्थिति है और इसके गंभीर परिणामों का ख्याल रखना होगा। इसलिए लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर आग्रह किया कि कोरोना वायरस की स्थिति को देखते हुए सदस्यों को संसद की कार्यवाही में वर्चुअल माध्यम से शामिल होने की अनुमति दी जाए। अधीर रंजन ने अपनी चिट्ठी में लिखा है कि सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट में जैसा किया जा रहा है, उसी तरह किसी ऐप का लिंक सांसदों को मुहैया कराया जाना चाहिए, जिससे जो सांसद सदन में मौजूद हैं वो अपनी बात फिजिकली रख पाएं और जो मौजूद नहीं हैं वो ऐप के जरिए अपनी राय दिए गए समय में रख सकें। उनका यह सुझाव बिल्कुल सामयिक है, क्योंकि सरकार ने ही लोगों को एहतियातन घर पर रहने की सलाह दी है, भीड़-भाड़ वाली जगहों पर एकत्र होने से बचने कहा है। जब-जब इस सुझाव का उल्लंघन हुआ, उसके दुष्परिणाम देखने मिले हैं। धार्मिक, राजनैतिक और कई बार निजी प्रयोजनों से भीड़ जुटाई गई और देश में कोरोना का खतरा बढ़ा। यूं भी मोदीजी ने शुरु से डिजिटल इंडिया की बात कही है, और उस बात के अधिकतम उपयोग का शायद यह उपयुक्त समय है। खुद मोदीजी ने अयोध्या में भूमिपूजन को छोड़ अपनी बैठकें, सम्मेलन वर्चुअली संपन्न किए। देश के मुख्यमंत्रियों से बैठक हो या यूएन की बैठक, विद्यार्थियों को संबोधित करना हो या पार्टी कार्यकर्ताओं को या कोई उद्घाटन करना हो, उन्होंने सारे काम डिजीटल माध्यम से संपन्न किए। देश में इस वक्त अदालतों का कामकाज, शिक्षा सब ऑनलाइन चल रहे हैं। कई कंपनियां अपने कर्मियों से घर से ही काम करा रही हैं और जहां बहुत जरूरी हो, वहीं लोगों को बुलाया जा रहा है। यही काम संसद और विधानसभाओं में भी किया जा सकता है। गुरुवार से शुरु हुए उत्तरप्रदेश विधानमंडल के मानसून सत्र के लिए मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने विधानसभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित से आग्रह किया है कि अस्वस्थ और 65 वर्ष से अधिक आयु वाले विधायक सदन की कार्यवाही में वर्चुअल शामिल हों और उनकी उपस्थिति को मान लिया जाए। देश में कोरोना की गंभीर स्थिति को देखते हुए संसद सत्र के दौरान पूरी सतर्कता बरती जाएगी, यह तय है। खबरें हैं कि सांसदों को दूर-दूर बैठाने के लिए दोनों सदनों की वीथिकाओं और अन्य कक्षों का भी इस्तेमाल होगा। सदन में चर्चा सुचारू रूप से चले, इसके लिए आडियो-वीडियो कनेक्टिविटी की व्यवस्था की जा रही है। ये तमाम सावधानियां जो अब अपनाई जाएंगी, उन पर पहले भी अमल किया जा सकता था। लेकिन यह विडंबना ही है कि सदी के बड़े संकटों में से एक इस कोरोना काल में भारत में नीति निर्धारण की सर्वोच्च संस्था संसद महीनों मौन बैठी रही। संकट के वक्त देश को संभालने और स्थितियों को सामान्य करने के लिए नीतियां बनाने का दायित्व संसद का था, लेकिन यह काम पूरी तरह से कार्यपालिका के हवाले कर दिया गया, जो व्यावहारिक रूप से नौकरशाही के शासन में तब्दील हो चुका है। बीते महीनों में अगर संसद सत्र आयोजित हुआ होता, कोरोना के नाम पर विशेष सत्र बुलाया गया होता तो लॉकडाउन से लेकर अनलॉक जैसे फैसले या कि राहत पैकेज और नई शिक्षा नीति जैसे फैसले पर्याप्त चर्चा के बाद लागू होते। तब शायद लाखों मजदूरों को रातों-रात सड़क पर आने के लिए मजबूर नहीं होना पड़ता, क्योंकि उनकी घरवापसी या रोजगार को लेकर बेहतर तरीके से फैसला लिया जा सकता था। तब शायद कोरोना भी इतनी तेजी से नहीं फैलता, क्योंकि ताली-थाली बजाने जैसे अविचारित फैसलों की जगह टेस्टिंग बढ़ाने या साफ-सफाई का ध्यान रखने जैसे जागरुकता भरे फैसले संसद में लिए जा सकते थे। गर्त में जा चुकी जीडीपी को भी बचाया जा सकता था। यह सब हो सकता था, अगर मनमर्जी के शासन का मोह सत्ताधारियों ने छोड़ा होता और लोकतंत्र का ख्याल रखा होता। जब भारत में संसद मौन थी और संसदीय समितियां निष्क्रिय थीं, तब भी दुनिया के कम से कम सौ देशों में किसी न किसी तरह से संसद का कामकाज जारी था। इनमें विकसित देशों से लेकर हमसे भौतिक रूप से कहीं ज्यादा पिछड़े देश भी शामिल हैं। कहीं सांसदों की सीमित मौजूदगी वाले संक्षिप्त संसद सत्र हुए, कहीं वीडियो कान्फ्रेंसिंग वाली तकनीक का सहारा लेकर वर्चुअल सेशन का आयोजन किया गया, कहीं सिर्फ संसदीय समिति की बैठकें हुईं। लेकिन भारत के संसदीय इतिहास में यह बात दर्ज हो चुकी है कि मानवीय आपदा के इस दौर में भारत की संसद खामोश थी। बहरहाल, अब एक बार फिर से संसद में विमर्श की गुंजाइश बनती दिख रही है, तो महज स्वास्थ्य आपदा की आड़ में इस मौके को जाने नहीं देना चाहिए।

भाजपा और फेसबुकः ये रिश्ता क्या कहलाता है!

वॉल स्ट्रीट जर्नल के रहस्योद्‌घाटन के बाद भी अगर किसी को फेसबुक और भाजपा के रिश्ते की मजबूती में कोई शक रह गया हो, तो इस रहस्योद्‌घाटन के बाद से भाजपा के व्यवहार ने ऐसे हरेक शक-संदेह को दूर कर दिया होगा। भाजपा इस मामले में अपने आधिकारिक प्रवक्ताओं के हमलावर खंडनों से लेकर, सोशल मीडिया में अपने अनौपचारिक हमलों तक ही नहीं रुकी है। इससे आगे बढ़कर, भाजपा के सांसदगण संसदीय संस्थाओं की छानबीन से फेसबुक को बचाने के लिए पूरे जोर-शोर से भिड़ गए हैं। यह बताता है कि यह सिर्फ फेसबुक के या उसकी भारत की सर्वेसर्वा के, इकतरफा भाजपा प्रेम का मामला नहीं हैकृदोनों तरफ है आग बराबर लगी हुई। भाजपाई सांसदों की यह सक्रियता खासतौर पर सूचना व प्रौद्योगिकी संबंधी संसदीय स्थायी कमेटी के संदर्भ में सामने आयी है। संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष के नाते, कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने पहल कर फेसबुक को वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों का जवाब देने के लिए नोटिस भिजवा दिया था। बहरहाल, फेसबुक को भेजे गए इस नोटिस से भाजपा इस कदर बौखला उठी कि उक्त संसदीय समिति में शामिल उसके सांसदों ने, ऐसी जुर्रत करने के लिए संसदीय समिति के अध्यक्ष, शशि थरूर के खिलाफ ही बाकायदा जंग छेड़ दी है। भाजपा सांसद, निशिकांत दुबे ने थरूर के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस देते हुए, लोकसभा अध्यक्ष से नियम संख्या-283 के तहत अपने विशेषाधिकार का प्रयोग कर, उन्हें स्थायी समिति के अध्यक्ष पद से ही हटाने की मांग की है, जबकि भाजपा के ही एक और सांसद, राज्यवर्द्धन सिंह राठौर ने स्पीकर को पत्र लिखकर उनसे, समिति के अध्यक्ष के नाते थरूर द्वारा नियमों का उल्लंघन किए जाने की शिकायत की है। दोनों भाजपा सांसदों की शिकायत बुनियादी तौर पर एक ही है,समिति के सदस्यों से पूछे बिना थरूर ने फेसबुक को नोटिस कैसे भिजवा दिया। दरअसल, सदस्यों से पूछे बिना की इन भाजपा सांसदों की शिकायत का आशय, भाजपा की मर्जी बिना से है क्योंकि जाहिर है कि अन्य संसदीय समितियों की तरह, इस स्थायी समिति में भी संख्या बल में भाजपा तथा उसके सहयोगियों का बोलबाला होगा। यानी सारतरू इन सांसदों की आपत्ति यह है कि भाजपा के राज में, यह संसदीय निकाय ऐसे किसी भी मामले में हस्तक्षेप कैसे कर सकता है, जिससे भाजपा की किरकिरी हो सकती हो। जाहिर है कि यह संसदीय समितियों को सत्ताधारी पार्टी के स्वार्थों के लिए नाकारा बनाए जाने का ही मामला है। लेकिन, मोदी राज में जब समूची संसदीय व्यवस्था को ही बधिया बनाकर रख दिया गया है, इस या उस संसदीय निकाय के हाथ बांधने की मौजूदा शासन की कोशिशों में अचरज की बात ही क्या है?और वॉल स्ट्रीट जर्नल का रहस्योद्‌घाटन है क्या? बेशक, वॉल स्ट्रीट जर्नल ने जो कुछ बताया है, उसमें ऐसा कुछ नहीं है जो पहले से लोगों की जानकारी में ही नहीं था। उल्टे सांप्रदायिकध्नस्लवादी सामग्री तथा फेक न्यूज के प्रति फेसबुक के ढीले-ढाले और जाहिर है कि अक्सर अपने कारोबारी स्वार्थों से संचालित रुख पर, लगातार सवाल उठते रहे हैं। इन सवालों की शृंखला में कैंब्रिज एनेलिटिका के सिलसिले में, पिछले ब्रिटिश आम चुनावों (ब्रेक्जिट से पहले) को अनुचित तरीके से प्रभावित करने की कोशिश के लिए तो उसे, चौतरफा हमलों का ही सामना नहीं करना पड़ा था, अपनी गलती माननी भी पड़ी थी।

भारत में भी फेसबुक के मंच पर सक्रिय बहुत से लोग, सांप्रदायिक,कट्टरपंथी संदेशों के प्रति फेसबुक प्रशासन के पक्षपातपूर्ण रुख पर और उससे भी बढ़कर व्हाट्सएप की भड़काऊ भमिका पर, लगातार सवाल भी उठाते रहे हैं। फिर भी वॉल स्ट्रीट जर्नल ने ठोस उदाहरणों के साथ यह दिखाया है कि, फेसबुक की उक्त आलोचनाएं न सिर्फ सही थीं बल्कि उनमें जरा सी भी अतिरंजना नहीं थी। इस सोशल मीडिया मंच के लिए, अपना कारोबारी मुनाफा ही सबसे ऊपर है। जाहिर है कि इन रहस्योद्‌घाटनों का वजन इससे और भी बढ़ जाता है कि यह रहस्योद्‌घाटन वॉल स्ट्रीट जर्नल जैसे प्रतिष्ठित प्रकाशन ने किया है। जर्नल ने फेसबुक के भारत में काम-काज के सिलसिले में कम से कम चार उदाहरणों के साथ यह बताया है कि भाजपा से जुड़े व्यक्तियों तथा ग्रुपों के फेसबुक एकाउंटों से सांप्रदायिक रूप से भड़काऊ, आपत्तिजनक तथा फर्जी सामग्री के लगातार प्रसारित किए जाने को, खुद फेसबुक की अपनी इस तरह के उल्लंघनों की छनाई की व्यवस्था ने पकड़ा था और संबंधित एकाउंटों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाइयों की सिफारिश की थी। इनमें भाजपा के हैदराबाद के कुख्यात विधायक, राजा सिंह से लेकर उत्तर-पूर्वी दिल्ली में सांप्रदायिक दंगों के बारूद में पलीता लगाने वाले, कपिल मिश्र तक के नाम शामिल हैं। ऐसा ही एक और बदनाम नाम, कर्नाटक से भाजपा सांसद अनंत कुमार हेगड़े का है, जिसकी कोरोना वाइरस फैलाने में मुसलमानों की भूमिका और लव जेहाद से संबंधित पोस्टें, खासतौर पर फेसबुक की संहिता का उल्लंघन मानी गयी थीं। याद रहे कि इन्हें कोई मामूली अतिक्रमणों का मामला नहीं माना गया था बल्कि खतरनाक तथा हिंसा भड़का सकने वाली श्रेणी के उल्लंघनों का दोषी माना गया था, जिसके लिए फेसबुक के प्लेटफार्म पर स्थायी रूप से प्रतिबंधित करने जैसे कड़े दंड की व्यवस्था है।लेकिन, भारत में फेसबुक के कारोबार की और इसलिए उसके नीति-निर्धारण की सर्वेसर्वा, आंखी दास ने यह कहकर इन मामलों में कार्रवाई का रास्ता रोक दिया कि, ऐसी किसी भी कार्रवाई से भारत में फेसबुक के कारोबार की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। जाहिर है कि कारोबारी हितों का तर्क, फेसबुक के लिए सर्वोपरि साबित हुआ। वैसे इसे सिर्फ कारोबारी हितों की चिंता का मामला मानना भी मुश्किल है। इसकी वजह यह है कि वॉल स्ट्रीट जनरल ने आंखी दास के खुद, एक और खुल्लमखुल्ला सांप्रदायिक संदेश को अपनी अनुमोदनात्मक टिप्पणी के साथ फारवर्ड करने से लेकर, उनके प्रधानमंत्री बनने के बाद, मोदी की भूरि-भूरि प्रशंसा करने वाले संदेशों तक की ओर भी, ध्यान खींचा है। ऐसे ही एक और महत्वपूर्ण उदाहरण में, जर्नल ने उजागर किया है कि किस तरह भारत में आम चुनाव की पूर्व-संध्या में फेसबुक ने जब बड़ी संख्या में फेक न्यूज आदि के प्रसार से जुड़े पेजों को हटाया था, इसका एलान करते हुए आंखी दास के हस्तक्षेप से, जिसके राजनीतिक-चुनावी स्वर एकदम स्पष्ट थे, इसका तो एलान किया गया था कि पाकिस्तानी सेना से जुड़े तथा कांग्रेस से जुड़े अनेक पेजों को हटाया गया है, लेकिन इस तथ्य को छुपा ही लिया गया था कि इस कार्रवाई की लपेट में काफी संख्या में भाजपा से जुड़े पेज भी आए थे। साफ है कि यह आंखी दास की अगुआई में फेसबुक के एक तटस्थ सोशल मीडिया मंच के बजाए, एक सक्रिय राजनीतिक-चुनावी भूमिका में आ जाने का मामला था। मोदी के राज में संघ-भाजपा और फेसबुक के इस रिश्ते का नुकसानदेह असर तब और भी बढ़ जाता है, जब हम दो परस्पर जुड़े हुए तथ्यों पर गौर करते हैं। पहला तो यही कि फेसबुक जैसे सोशल मीडिया माध्यम, जो अब भीमकाय इजारेदारियों का रूप ले चुके हैं, अपने संबंध में लोगों की जो शुरूआती धारणाएं थीं, उनसे बहुत दूर जा चुके हैं। सचाई यह है कि इन माध्यमों ने, न सिर्फ मीडिया के रूप में अपनी काफी जगह बना ली है बल्कि उन्होंने काफी हद तक न सिर्फ परंपरागत छापे के मीडिया को बल्कि इलेक्ट्रानिक मीडिया को भी, उसके आसन से अपदस्थ कर दिया है। विज्ञापनों के प्रवाह का, जो कि मीडिया की शिराओं में दौड़ने वाला खून है, तेजी से तथा ज्यादा से ज्यादा, फेसबुक जैसे माध्यमों की ओर मुड़ना, इसी सच्चाई का संकेतक है। यह वो जगह है, जो इन माध्यमों से किसी भी कीमत पर और किसी भी तरह से, कमाई को अधिकतम करने मांग करती है। यह वो जगह भी है, जहां इस इजारेदाराना हैसियत का, अपने अनुकूल शासनों की मदद करने के लिए इस्तेमाल कर, बदले में अपनी कमाई और बढ़वाई जा सकती है। यहां तक कि अपनी कमाई के स्रोतों का विस्तार भी किया जा सकता है। जियो में फेसबुक का पिछले ही दिनों, शेयरों के अपेक्षाकृत छोटे हिस्से के लिए किया गया अरबों रु. का निवेश, इसी की ओर इशारे करता है। दूसरा तथ्य, जो कि अंततरू पहले वाले तथ्य से जाकर जुड़ जाता है, यह है कि अपनी कमाई और इसलिए विज्ञापन राजस्व अधिकतम करने की कोशिश में, फेसबुक जैसे माध्यमों की नजर सिर्फ अपने उपयोक्ता या अपनी सामग्री देखने वालों की तादाद बढ़ाने पर है। फेक न्यूज, सांप्रदायिकध् जातिवादीध् नस्लवादी संदेश, इन माध्यमों को अपनी कमाई बढ़ाने में मददगार ही दिखाई देते हैं, न कि बाधक। आखिर, मीडिया में पुरानी कहावत है कि तथ्य चलता है और झूठ, उड़ता है। दूसरे शब्दों में कहें तो इन सोशल मीडिया माध्यमों का इस तरह की सामग्री को प्रसारित करने में निहित स्वार्थ है। जाहिर है कि हमारे देश में इस स्वार्थ को साधना इसलिए और आसान है कि परंपरागत मीडिया के विपरीत, सोशल मीडिया और यहां तक कि इलेक्ट्रानिक मीडिया पर भी यहां कोई और किसी भी तरह का नियमन तो है ही नहीं। हां! अपने नफा-नुकसान के हिसाब से सरकार जरूर कभी-कभार आंखें दिखाने की कोशिश या अभिनय करती है। यहां आकर, संघ-भाजपा और फेसबुकध्व्हाट्सएप के हित एक हो जाते हैं। इसलिए भी, फेसबुक और आंखी दास के बचाव में संघ-भाजपा खुलेआम कूद पड़े हैं। उन्हें पता है कि संसदीय समिति के फेसबुक से जवाब मांगने से शुरूआत हो गयी, तो बात दूर तक जा सकती है। आखिरकार, संसद ही है जो इस अवैध गठजोड़ पर अंकुश ही नहीं लगा सकती है।

नगा नेताओं की शर्तें न निगलते बनती है, न उगलते

नौ अगस्त से 14 अगस्त 2020 तक लगातार हुई बैठकों में नगा नेता सरकार पर वायदा-खिलाफी का आरोप लगाते हुए वार्ताकार आर.एन. रवि को बदलने की मांग पर अड़े हुए थे। बात बिगड़ गई, और सरकार की हालत विफल नकचली बंदर जैसी हो चुकी थी। लाल किले के प्राचीर से नगा समझौते वाली महान उपलब्धि की मुनादी होते-होते रह गई। देश और दिल्ली वाले भी उन हलचलों से अनजान थे, जब कोहिमा से तीन चार्टर फ्लाइट के जरिये नगा नेता ढो-ढोकर लाये जा रहे थे। सबसे पहले नगा नेता टी. मुइवा 20 जुलाई 2020 को अपनी पत्नी के साथ एक स्पेशल फ्लाइट के साथ दिल्ली पधार चुके थे। इतना भर बताया गया कि मुइवा को इलाज के वास्ते लाया गया है। इसके प्रकारांतर 7 अगस्त को पांच लोगों की एक टीम चार्टर फ्लाइट के जरिये कोहिमा से दिल्ली आती है, उसके अगले दिन आठ अगस्त को नौ सदस्यीय नगा नेताओं का जत्था इसी तरह के पुष्पक विमान से दिल्ली आता है। अधिकारी अब यह कहने की हालत में नहीं थे कि ये नगा नेता टी. मुइवा की मिजाजपुर्सी के वास्ते दिल्ली लाये गये थे। एक अन्य चार्टर फ्लाइट से नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यिू रियो, असम के वित्त मंत्री हेमंत विस्व सर्मा, नगा होहो के नेता केवीलेतुओ कीहुओ उसी दौर में दिल्ली आये।यह ठीक वैसे ही था, जैसे असम समझौते से पहले 1985 में गुवाहाटी से विद्रोही नेता स्पेशल फ्लाइट से दिल्ली लाये गये थे। तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने 14 अगस्त की रात उनसे असम समझौता कराया, और 15 अगस्त 1985 को लाल किय्ले के प्राचीर से उसकी घोषणा हुई। मगर, यहां तो सबकुछ उल्टा पड़ गया। 18 जुलाई 2020 को अरूणाचल प्रदेश के लांगडिंग जिले के न्गिनू गांव में एनएसईएन (इसाक मुइवा गुट) के छह कैडरों को सुरक्षा बलों ने मार गिराया था। यह म्यांमार और चीन सीमा से लगा इलाका है। सुरक्षा बलों ने नगा आर्मी के मारे गये लोगों से बरामद असलहे भी प्रदर्शित किये थे। नगा नेताओं ने इस घटना को 1997 में हुए इंडो-नगा सीज फायर समझौते का उल्लंघन बताया और यह भी कहा कि 3 अगस्त 2015 को जो फ्रेमवर्क एग्रीमेंट आर.एन. रवि की मौजूदगी में मोदी सरकार से हुआ था, उसकी भावनाओं को आहत किया गया है। यों भी 31 अक्टूबर 2019 को श्फ्रेमवर्क एग्रीमेंटश, जिसे श्पीस पैक्टश् भी बोलते हैं, उसकी अवधि समाप्त हो चुकी थी।अब ऐसा नहीं लगता कि नगालैंड के राज्यपाल आर.एन. रवि के रहते नगा समझौते की दिशा में कोई सकारात्मक कध्दम उठना है। 15 अगस्त को राज्यपाल आर.एन. रवि ने जो भाषण दिया, वो कड़वाहट भरा था, और नगा चरमपंथियों की वजह से राज्य में कधनून व्यवस्था की चरमराती स्थिति को दर्ज करा रहा था। चार बार मुख्यमंत्री रह चुके नेफ्यिू रियो, पहली बार एक मूकदर्शक की तरह राज्यपाल का अभिभाषण सुनकर रह गये। अभिभाषण की कॉपी अब दस्तावेज है, जिसमें राज्यपाल कधनून व्यवस्था पर सवाल करते हुए नगालैंड को देश में सबसे खराब नतीजे देने वाला राज्य बता रहे थे। इस अभिभाषण के हवाले से नगालैंड में तो राष्ट्रपति शासन लग जाना चाहिए। नेफ्यिू रियो 2003 से 2014 तक तीन टर्म नगालैंड के मुख्यमंत्री रहे। 2014 में वे सांसद भी बने और चौथी बार नगा पीपुल्स फ्रंट को छोड़कर नई नवेली नेशनल डेमोकेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (एनडीपीपी) में शामिल होकर चुनाव में उतरे। विधानसभा चुनाव में एनडीपीपी ने 21 और भाजपा ने 12 सीटें जीतीं और गठबंधन की सरकार बनी। 8 मार्च 2018 से नेफ्यिू रियो चौथी पारी खेल रहे हैं। नगालैंड के राज्यपाल आर.एन. रवि ने 15 अगस्त को जो बयान दिया, क्या वो दिल्ली के इशारे पर था? इस सवाल पर चुप्पी है। मगर, यह ठीक वैसा ही बयान था, जब रिश्ते टूटने पर वर और वधु पक्ष एक-दूसरे पर दोषारोपण करते हैं। केंद्र में मोदी की जय-जय और राज्य की व्यवस्था पर सवाल, इसे क्या महामहिम का मैच्योर भाषण कहेंगे? नगा समस्या पर वार्ताकारों की सूची देख लीजिए सतीश चंद्रा, स्वराज कौशल, एनएन वोहरा, के.पद्मनाभैया, आर.एस. पांडे कभी इन लोगों ने सार्वजनिक रूप से ऐसी बात नहीं कही, जिससे राज्य सरकार की सूरत बिगड़े, और जिनसे बातचीत चल रही है, उस पक्ष को धक्का पहुंचे। पटना के रविन्द्र नारायण रवि 1976 बैच के आईपीएस रह चुके हैं।2012 में आईबी के स्पेशल डायरेक्टर पद से रिटायर होने के बाद 5 अक्टूबर 2018 को आर.एन. रवि, श्डेप्यूटी नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजरश् बनाये गये। अब कहने की जरूरत नहीं रही कि आर.एन. रवि, एनएसए अजीत डोभाल के राइट च्वाइस बेबी रहे हैं। शायद इस वजह से 1 अगस्त 2019 को आर.एन. रवि ने नगालैंड के राज्यपाल का पदभार संभाला था। उससे पहले उन्हें नगा समस्या को सुलझाने के वास्ते वार्ताकार की अहम जिम्मेदारी भी सौंपी गई थी। प्रश्न यह है कि क्या डोभाल की राइट च्वाइस बेबी की वजह से नगा शांति वार्ता डुबकी लगा गई? यह प्रधानमंत्री कार्यालय के लिए समीक्षा का विषय है। केंद्र सरकार के सामने विकल्प के रूप में दो नाम रखे जा रहे हैं। पहला नाम एबी माथुर का है, जो नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट ऑफ बोडोलैंड व असम में अल्फा नेताओं से बातचीत को आगे बढ़ा रहे हैं। कूकी नेशनल आर्गेनाइजेशन (केएनओ) और यूनाइटेड पीपुल्स फ्रंट (यूपीएफ) से सातवें दौर की बातचीत में एबी माथुर का बड़ा योगदान रहा है। दूसरी शख्सियत हैं, अवकाश प्राप्त लेफ्टिनेंट जनरल डॉ. कोनसाम हिमालय सिंह। ये मणिपुर के हैं, और नगा नेताओं से जनरल हिमालय सिंह का संवाद बना रहता है।दिक्कत, नगा नेताओं द्वारा अलग ध्वज और अलग संविधान की पुरानी मांग पर अड़े रहना है। इसे मानने का मतलब है, कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाने वाली सीना ठोक कार्यवाही को बेमानी घोषित कर देना। देखकर हैरानी भी होती है कि 1 करोड़ 36 लाख की आबादी और 2 लाख 22 हजार 236 वर्ग किलोमीटर वाले कश्मीर को नियंत्रित करने में मोदी सरकार को मुश्किल नहीं हुई, मात्र 16 हजार 579 वर्ग किलोमीटर में फैले और लगभग 18 लाख की आबादी वाले नगालैंड को कंट्रोल करने में विश्व की सबसे सशक्त राष्ट्रवादी सरकार के पसीने छूट रहे हैं। इसकी भू-सामरिक स्थिति को देखें, तो सीमा पार म्यांमार है, जो नगा आतंकी कैंपों को नेस्तोनाबूद करने में सहयोगी ही रहा है।दो सौ छह साल पुराने नासूर की उत्पत्ति 24 फरवरी 1826 को यांदाबो शांति समझौते के बाद, असम के ब्रिटिश भारत में शामिल होने के साथ हुई। नगा अशांत थे। इस इलाके में खून का बहना रूका नहीं। 40 साल बाद, 1866 में नगा हिल डिस्ट्रिक्ट को ब्रितानियों ने मान्यता दी, और उनके शासन में अहस्तक्षेप का अभयदान दिया। अंग्रेज जब विदा लेने लगे, 14 अगस्त 1947 को नगा नेशनल कौंसिल (एनएनसी) के नेता ए.जेड. फिजो ने स्वतंत्र नगा देश बना लेने की घोषणा कर दी, उसके साथ ही इस इलाके की पहाड़ियाँ सुलग उठीं।दिसंबर 1951 में ए.जेड. फिजो की मुलाकात पंडित नेहरू से हुई। 1952 में वे डिब्रूगढ़ और दिल्ली में प्रधानमंत्री नेहरू से दोबारा-तिबारा मिले। पर नतीजा सिफर। 1954 में ए.जेड. फिजो ने श्पीपुल्स सोवरिन रिपब्लिक ऑफ फ्री नगालैंड की घोषणा की। दो साल बाद, 22 मार्च 1956 को नगा सेंट्रल गवर्नमेंट नाम रखा। 1959 में इसका एक बार फिर नामकरण हुआ श्एफएनजीश् (फेडरल गवर्नमेंट ऑफ नगालैंड)। 1956 में फिजो उस समय के पूर्वी पाकिस्तान पहुंचकर ये सब करते रहे, कुछ वर्षों बाद वे लंदन पहुंच गये, जहां 30 अप्रैल 1990 को उनकी मृत्यु हो गई। इधर, 1963 में केंद्र सरकार ने नगालैंड को राज्य बनाने की घोषणा की। साठ के दशक में ही नगा संगठनों एनएनसी और एनएससीएन के नेता इसाक चिशि स्वू, टी. मुइवा और एस.एस. खापलांग का अभ्युदय हुआ। इन्हीं नेताओं से 11 नवंबर 1975 को शिलांग समझौता हुआ। मगर, महत्वाकांक्षा उससे भी बड़ी श्ग्रेटर नगालिमश् बनाने की थी। उत्तरी बर्मा और पूर्वोत्तर भारत के नगा बहुल हिस्से को मिलाकर ये तथाकथित स्वतंत्र ईसाई देश श्फेडरल गवर्नमेंट ऑफ नगालैंडश् की घोषणा कर चुके थे। श्एनएससीएन (आई-एम) सरकारश् की बाकायदा कैबिनेट थी, सुप्रीम कोर्ट, पुलिस सबकुछ। श्गवर्नमेंट ऑफ द पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ नगालिमश् के प्रधानमंत्री थे टी. मुइवा और राष्ट्रपति थे इसाक चिशि स्वू। 30 सितंबर 1998 को तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी से पैरिस में मुलाकघत के समय इसी हैसियत से बातचीत हुई थी। 8 नवंबर 2001 को ओसाका में दूसरी बार अटल जी से नगालिम के पीएम और राष्ट्रपति मिले थे। नगालिम के इन शिखर नेताओं के ठिकाने लंदन, पैरिस, ज्यूरिख, जेनेवा, एम्सटर्डम, हेग, ओसाका और बैंकाक थे। नगालिम नामक एक ईसाई देश बनाने के नाम पर यूरोप से इन्हें इफरात में पैसा मिलता रहा। नीदरलैंड की राजधानी एम्सटर्डम नगा कूटनीति का एपीसेंटर रहा है।

सार समाचार .....

आईपीएल के शुरुआती मैच नहीं खेल पाएंगे तेज गेंदबाज लसित मलिंगा

कोलंबो **एजेंसी।** श्रीलंका और मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज लसित मलिंगा यूआई में 19 सितंबर से दस नवंबर तक होने वाले आईपीएल के 13वें संस्करण के शुरुआती मैच नहीं खेल पाएंगे। समझा जाता है कि मलिंगा निजी कारणों से यूएई नहीं जा रहे हैं और शुरुआती मैचों में नहीं खेल पाएंगे। समझा जाता है कि मलिंगा के पिता बीमार हैं और आगामी सप्ताहों में उनकी सर्जरी होगी। तेज गेंदबाज अपने पिता के पास रहेंगे और कोलंबो में ही ट्रेनिंग करेंगे।

अगले सप्ताह 37 वर्ष के होने जा रहे मलिंगा श्रीलंका के लिए आखिरी बार टी-20 में इस साल मार्च में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज में खेले थे। उन्होंने जून-जुलाई में श्रीलंका क्रिकेट द्वारा आयोजित रेसिडेंशियल कंडीशनिंग कैंप्स में हिस्सा नहीं लिया था। मलिंगा ने पिछले साल चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ आईपीएल फाइनल में आखिरी ओवर में आठ रन का सफलतापूर्वक बचाव कर मुंबई को चौथी बार चैंपियन बनाया था। मलिंगा ने पहले तीन ओवर में 42 रन दिए थे। उन्होंने आखिरी ओवर की पहली पांच गेंदों पर सात रन दिए थे और आखिरी गेंद पर शार्दुल ठाकुर का विकेट लिया था जबकि चेन्नई को जीत के लिए दो रन की जरूरत थी।

तीसरा टेस्ट क्राउली का शतक, इंगलैंड के 275 रन

साउथम्पटन एजेंसी। जॉक क्राउली ने दूसरे छोर से विकेट गिरने के बावजूद एक छोर संभाले रखा और शतक जमाया जिससे इंगलैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ तीसरे और अंतिम टेस्ट मैच के पहले दिन समाचार लिखे जाने तक 4 विकेट के नुकसान पर 275 रन बना लिये थे। जॉक क्राउली 152 रन बनाकर क्रीज पर जमे हुए थे। जोस बटलर भी 60 रन (नाबाद) बनाकर उनके साथ डटे हुए थे। दोनों ने पांचवें विकेट के लिये बढ़िया साझेदारी की।

इससे पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने के लिये उतरे इंगलैंड अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों रोरी बर्न्स (छह) और डॉम सिब्ली (22) के विकेट पहले सत्र में गंवा दिये। कप्तान जो रूट (29) और ओली पोप (तीन) दूसरे सत्र में पवेलियन लौटे। अपना आठवां टेस्ट मैच खेल रहे क्राउली ने अब दर्शनीय पारी खेली है। उनका पिछला सर्वश्रेष्ठ स्कोर 76 रन था जो उन्होंने पिछले महीने इसी मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ बनाया था। उन्होंने लंच से ठीक पहले तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी की गेंद चौके के लिये भेजकर 50 रन की संख्या पार की थी। शाहीन ने इससे पहले पांचवें ओवर में बर्न्स को इस शृंखला में तीसरी बार पेवेलियन भेजा।

कैमरन व्हाइट का क्रिकेट को अलविदा अब कोचिंग पर ध्यान

मेलबर्न एजेंसी। आस्ट्रेलिया के पूर्व आलराउंडर कैमरन व्हाइट ने शुक्रवार को पेशेवर क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की। इस तरह से उनके लगभग दो दशक तक चले करियर का अंत हो गया। आस्ट्रेलिया की तरफ से चार टेस्ट, 91 वनडे ओर 47 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले 37 वर्षीय व्हाइट ने सीमित ओवरों के सात मैचों में अपनी टीम की कप्तानी भी की। उन्होंने कहा कि वह अब कोचिंग पर ध्यान देंगे। व्हाइट ने कहा,'मैंने निश्चित तौर पर खेलना बंद दिया है। यह पक्का है।' उन्होंने कहा,'मेरा स्ट्राइकर्स के साथ एक साल का अनुबंध था। मैं पिछले साल उनके लिये कुछ मैचों में ही खेला।

रोहित-विनेश, रानी-मणिका और थंगावेलु के नामों पर खेल मंत्रालय की मुहर

दिल्ली | एजेंसी।

भारत के सीमित ओवरों के कप्तान रोहित शर्मा, स्टार महिला पहलवान विनेश फोगाट, टेबल टेनिस स्टार मणिका बत्रा, महिला हाकी टीम की कप्तान रानी रामपाल और रियो पैरालंपिक के स्वर्ण पदक विजेता एथलीट मरियप्पन थंगावेलु को 29 अगस्त को खेल दिवस के दिन राष्ट्रपति भवन से वर्चुअल समारोह के जरिए देश के सर्वोच्च खेल सम्मान राजीव गांधी खेल रत्न से नवाजा जाएगा।

खेल मंत्रालय की 12 सदस्यीय अवार्ड समिति ने खेल रत्न के लिए पहले चार नामों की सिफारिश की थी, जिसमें बाद में रानी रामपाल का नाम जोड़ा गया था। इन पर अंतिम फैसला केंद्रीय खेल मंत्री किरेन रिजिजू को लेना था और खेल मंत्री ने सभी पांच नामों पर अपनी मुहर लगा दी। खेल रत्न के इतिहास में यह पहला मौका है, जब पांच खिलाड़ियों को खेल रत्न प्रदान किया जाएगा। कोरोना के कारण पहली बार खेल मंत्रालय ने ऑनलाइन आवेदन मंगाए थे। इस साल राजीव गांधी खेल रत्न के लिए 42 आवेदन आए थे। खेल रत्न के लिए जनवरी 2016 से दिसंबर 2019 तक के प्रदर्शन पर विचार किया गया। राष्ट्रीय खेल पुरस्कार नियमों में खेल रत्न के लिए यह नियम है कि केवल ओलंपिक वर्ष में एक से ज्यादा खिलाड़ियों को खेल रत्न दिया जा सकता है और गैर ओलंपिक वर्षों में एक खिलाड़ी को खेल रत्न दिया जाना चाहिए, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से यह परंपरा चल रही है कि एक से ज्यादा खिलाड़ियों को खेल रत्न दिया जा रहा है। हालांकि यह पहला मौका है, जब पांच खिलाड़ियों को खेल रत्न दिया जाएगा। इससे पहले 2016 के रियो ओलम्पिक के बाद चार खिलाड़ियों रजत पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू, कांस्य विजेता महिला पहलवान साक्षी मलिक, चौथे स्थान पर रही जिम्नास्ट दीपा कर्माकर और निशानेबाज जीतू राय को खेल रत्न सम्मान दिया गया था। साक्षी मलिक और मीराबाई चानू को नहीं मिलेगा अर्जुन पुरस्कार

नई दिल्ली। खेल मंत्रालय ने शुक्रवार को पूर्व में खेल रत्न हासिल करने वाली साक्षी मलिक और मीराबाई चानू को अर्जुन पुरस्कार नहीं देने का फैसला किया, जिससे इस साल यह पुरस्कार पाने वाले खिलाड़ियों की संख्या 27 रह गई है। खेल मंत्रालय ने हालांकि देश क सवाच्च खल पुरस्कार खल रत्न क लए जिन पांच खिलाड़ियों के नाम की सिफारिश की गई थी, उन्हें स्वीकार कर लिया है। पिछले सप्ताह न्यायमूर्ति (सेवानिवृत) मुकुंदकम शर्मा की अगवाई वाली चयनसमिति ने अर्जुन पुरस्कार के लिए 29 खिलाड़ियों के नाम खेल मंत्रालय के पास भेजे थे। इस सूची में रियो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता पहलवान साक्षी मलिक और 2017 की विश्व भारोत्तोलन चैंपियन मीराबाई चानू का नाम भी शामिल था, लेकिन इन दोनों को अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित करने का अंतिम फैसला खेल मंत्री किरेन रिजिजू पर छोड़ दिया गया था। असल में इन दोनों खिलाड़ियों को पहले ही देश का सर्वोच्च खेल पुरस्कार खेल रत्न मिल चुका था। इन दोनों के नाम को सूची में शामिल करने की आलोचना भी हुई थी।

साक्षी और मीराबाई को अर्जुन पुरस्कार नहीं

नयी दिल्ली , एजेंसी। खेल मंत्रालय ने शुक्रवार को पूर्व में खेल रत्न हासिल करने वाली साक्षी मलिक और मीराबाई चानू को अर्जुन पुरस्कार नहीं देने का फैसला किया जिससे इस साल यह पुरस्कार पाने वाले खिलाड़ियों की संख्या 27 रह गयी है। खेल मंत्रालय ने हालांकि देश के सर्वोच्च खेल पुरस्कार खेल रत्न के लिये जिन 5 खिलाड़ियों के नाम की सिफारिश की गयी थी, उन्हें स्वीकार कर लिया है। मंत्रालय ने औपचारिक विज्ञप्ति में इसकी पुष्टि की है। कोरोना के कारण पहली बार पुरस्कार वितरण समारोह 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस पर वर्चुअल आयोजित किया जाएगा। पहले इसके लिये राष्ट्रपति भवन में पुरस्कार समारोह का आयोजन किया जाता था। पिछले सप्ताह चयनसमिति ने अर्जुन पुरस्कार की सूची में रियो ओलंपिक की कांस्य विजेता साक्षी मलिक और 2017 की विश्व भारोत्तोलन चैंपियन मीराबाई चानू का नाम भी था, इन दोनों के बारे में अंतिम फैसला खेल मंत्री पर छोड़ दिया गया था।

ध्यानचंद पुरस्कार

कुलदीप सिंह भुल्लर (एथलेटिक्स), जिंसी फिलिप्स (एथलेटिक्स), प्रदीप श्रीकृष्ण गंधे (बैडमिंटन), तृप्ति मुर्गुंडे (बैडमिंटन), एन. उषा (मुक्केबाजी), लाखा सिंह (मुक्केबाजी), सुखविंदर सिंह संधू (फुटबाल), अजीत सिंह (हाकी)), मनप्रीत सिंह (कबड्डी), जे रंजीथ कुमार (पैरा एथलेटिक्स), सत्यप्रकाश तिवारी (पैरा बैडमिंटन), मंजीत सिंह (रोइंग), स्वर्गीय सचिन नाग (तैराकी), नंदन पी बाल (टेनिस), नेत्रपाल हुड्डा (कुश्ती)।

इन्हें मिलेगा अर्जुन पुरस्कार

अतनु दास (तीरंदाजी), दुती चंद (एथलेटिक्स), सात्विक साईराज रंकीरेड्डी (बैडमिंटन), चिराग चंद्रशेखर शेट्टी (बैडमिंटन), विशेष भृगुवंशी (बास्केटबॉल), सूबेदार मनीष कौशिक (मुक्केबाजी), लवलीना बोरगोहेन (मुक्केबाजी), इशांत शर्मा (क्रिकेट) दीप्ति शर्मा (क्रिकेट), सावंत अजय अनंत (अश्वारोही), संदेश झिंगन (फुटबाल), अदिति अशोक (गोल्फ), आकाशदीप सिंह (हाकी), दीपिका (हॉकी), दीपक हुड्डा (कबड्डी), काले सारिका सुधाकर (खो खो), दत्तू बबन भोकानल (रोइंग), मनु भाकर (निशानेबाजी), सौरभ चौधरी (निशानेबाजी), मधुरिका सुहास पाटकर (टेबल टेनिस), दिविज शरण (टेनिस), शिवा केशवन (शीतकालीन खेल), दिव्या काकरान (कुश्ती), राहुल अवारे (कुश्ती)), सुयश नारायण जाधव (पैरा स्विमिंग), संदीप (पैरा एथलेटिक्स) मनीष नरवाल (पैरा निशानेबाजी)।

द्रोणाचार्य पुरस्कार

(जीवन पर्यंत श्रेणी- धर्मेंद्र तिवारी (तीरंदाजी), पुरुषोत्तम राय (एथलेटिक्स), शिव सिंह (मुक्केबाजी), रोमेश पठानिया (हाकी), कृष्ण कुमार हुड्डा (कबड्डी), विजय भालचंद्र मुनीश्वर (पैरा पावरलिफ्टिंग), नरेश कुमार (टेनिस)), ओम प्रकाश दहिया (कुश्ती)। नियमित श्रेणी ूजूड फेलिक्स सेबेस्टियन (हॉकी), योगेश मालवीय (मल्लखंब), जसपाल राणा (निशानेबाजी), कुलदीप कुमार हांडू (वुशू), गौरव खन्ना (पैरा बैडमिंटन)

हमें तुम पर गर्व है हिटमैन - बीसीसीआई

नयी दिल्ली , एजेंसी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सीमित ओवरों की टीम के उपकप्तान रोहित शर्मा को इस साल देश के सबसे बड़े खेल पुरस्कार राजीव गांधी खेल रत्न के लिये चुने जाने पर बधाई दी और कहा कि क्रिकेट संस्था को उनकी उपलब्धियों पर गर्व है। बीसीसीआई ने अपने ट्विटर हैंडल पर लिखा, 'भारत के सबसे बड़े खेल सम्मान राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार 2020 के लिये बधाई हो रोहित शर्मा। वह इस पुरस्कार को हासिल करने वाले चौथे भारतीय क्रिकेटर हैं। इसमें लिखा, 'हमें तुम पर गर्व है 'हिटमैन बीसीसीआई ने इशांत शर्मा और महिला राष्ट्रीय टीम की खिलाड़ी दीप्ति शर्मा को भी अर्जुन पुरस्कार के लिये चुने जाने पर बधाई दी। बीसीसीआई ने कहा, 'हमारे सबसे सीनियर टेस्ट गेंदबाज इशांत शर्मा को प्रतिष्ठित अर्जुन पुरस्कार 2020 के लिये बधाई। चैम्पियन बढ़ते रहो।' बोर्ड ने ट्वीट किया, 'हमारी आल राउंडर दीप्ति शर्मा को प्रतिष्ठित अर्जुन पुरस्कार 2020 के लिये बधाई। आप नयी ऊंचाईयां हासिल करना जारी रखो। खेल मंत्रालय ने शुक्रवार को 29 अगस्त को दिये जाने वाले खेल पुरस्कारों के लिये पांच खिलाड़ियों को खेल रत्न पुरस्कार दिये जाने की घोषणा की, जिसमें रोहित भी शामिल हैं जबकि इशांत और दीप्ति अर्जुन पुरस्कार हासिल करने वाले 27 खिलाड़ियों में शामिल हैं।

इंटर मिलान को हराकर सेविला बना यूरोपा लीग चैंपियन

कोलोन **(जी.एन.एस)** रोमेलू लुकाकु का आत्मघाती गोल करना इंटर मिलान को भारी पड़ा, जिससे सेविला ने कोविड-19 महामारी के कारण सबसे लंबे समय तक चली यूरोपा फुटबॉल लीग के फाइनल में 3-2 से जीत दर्ज कर छठी बार खिताब अपने नाम किया। लुकाकु ने शुक्रवार को मैच के पांचवें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदल कर इंटर मिलान का खाता खोला, लेकिन इसके लुक डी जोंग ने 12वें और 33वें मिनट में गोल कर सेविला को 2-1 से आगे कर दिया। सेविला की यह बढ़त हालांकि ज्यादा देर तक कायम नहीं रही और डिएगो गोडिन ने 35वें मिनट में स्कोर 2-2 से बराबर कर मैच में इंटर मिलान की वापसी कर दी। बेल्जियम के लुकाकु ने मैच के 74वें मिनट में डिएगो कार्लोस की किक को अपने गोल पोस्ट की तरफ मोड़ दिया और इस आत्मघाती गोल ने सेविला की बढ़त को 3-2 कर दिया जो मैच खत्म होने तक बरकरार रही। सेविला के लिए पिछले सात सत्र में यह चौथा खिताब है।

बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली

नई दिल्ली , एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने सभी राज्य संघों को आश्वस्त किया कि घरेलू क्रिकेट तभी शुरू होगा, जब कोविड-19 महामारी के बीच हालात सुरक्षित होंगे लेकिन उन्होंने सीजन शुरू होने की तारीख नहीं बताई। सामान्य हालात में घरेलू सीजन अगस्त में शुरू होता है, लेकिन महामारी के कारण कैलेंडर गड़बड़ा गया है और गांगुली के गुरुवार को राज्य संघों को भेजे गए पत्र में साफ हो गया कि बोर्ड ने अभी तारीख तय नहीं की है। घरेलू सीजन के अब सैयद मुश्ताक अली टी20 टूर्नामेंट से शुरू होने की उम्मीद है, जो नवंबर के तीसरे हफ्ते से शुरू हो सकता है। गांगुली ने मान्यता प्राप्त सदस्य संघों के अध्यक्ष और सचिवों को पत्र में लिखा, बीसीसीआई यह सुनिश्चित करने की पूरी कोशिश कर रहा है कि जैसे ही हालात ठीक हों, घरेलू क्रिकेट बहाल हो जाए। खिलाड़ियों के अलावा घरेलू क्रिकेट में शामिल होने वाले अन्य लोगों का स्वास्थ्य और सुरक्षा बीसीसीआई के लिए सबसे अहम है और हम सभी पहलुओं पर लगातार नजर रखे हैं। उन्होंने कहा, सभी सदस्यों को भविष्य में अगले कदमों के बारे में सूचित किया जाएगा और घरेलू क्रिकेट बहाल करने से पहले सुझाव लिए जाएंगे। गांगुली ने कहा कि बीसीसीआई को उम्मीद है कि कोविड-19 हालात अगले कुछ महीनों में सुधर जाएंगे और घरेलू क्रिकेट सुरक्षित माहौल में शुरू हो पाएगा। बीसीसीआई प्रमुख ने सदस्यों को भारत की भविष्य दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) की प्रतिबद्धताओं के बारे में भी जानकारी दी जिसमें इस साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया का दौरा और 2021 के शुरू में इंग्लैंड की मेजबानी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि भारत अगले साल टी20 वर्ल्ड कप और 2023 में वनडे वर्ल्ड कप की मेजबानी को तैयार है। गांगुली ने कहा, बीसीसीआई और भारतीय क्रिकेट टीम अपनी एफटीपी की प्रतिबद्धताओं को पूरा करना जारी रखेगी। सीनियर भारतीय मेंस टीम इस साल दिसंबर में होने वाली सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया जाएगी और हम अगले साल फरवरी के शुरू में इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के लिए देश में लौटेंगे।

सुरेश रैना बोले, टीम में अगर होते अंबाती रायुडू तो भारत 2019 में जीत जाता वर्ल्ड कप

विराट कोहली की कप्तानी में टीम इंडिया को 2019 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। 2019 में आईसीसी वर्ल्ड कप शुरू होने से पहले भारतीय टीम को खिताब के सबसे प्रबल दावेदारों में गिना जा रहा था लेकिन टीम इंडिया सेमीफाइनल में हार गई। सेमीफाइनल से पहले टीम इंडिया ने जिस तरह का प्रदर्शन किया

दिल्ली | एजेंसी।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने कहा है कि पिछले साल वनडे वर्ल्ड कप में भारतीय टीम चैंपियन बन सकती थी, बशर्ते उसमें अंबाती रायुडू को मौका मिला होता। , उससे लगा था कि टीम इस बार खिताब अपने नाम कर लेगी लेकिन ऐसा हो नहीं सका। उसे न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में करीबी हार झेलनी पड़ी, जिससे टीम इंडिया वर्ल्ड कप से बाहर हो गई। हाल में इंटरनैशनल क्रिकेट से संन्यास लेने वाले सीमित ओवरों के धुरंधर क्रिकेटर सुरेश रैना ने अब ऐसे क्रिकेटर का नाम बताया, जिसके होने से टीम इंडिया वर्ल्ड कप जीत सकती थी। रैना ने 'क्रिकबज' से कहा, 'मैं चाहता था कि रायुडू भारत के लिए नंबर-4 पर बल्लेबाजी करें। करीब डेढ़ साल से उन्होंने कड़ी मेहनत की और अच्छा प्रदर्शन किया था। हालांकि वह टीम में शामिल नहीं किए गए।'

उन्होंने कहा, '2018 के दौरे का मैंने आनंद नहीं उठाया था, क्योंकि हालात कुछ ऐसे थे, जहां रायुडू फिटनेस टेस्ट में फेल हो गए। उन्हें यह बिलकुल अच्छा नहीं लगा कि वह फिटनेस टेस्ट पास नहीं कर सके। उनकी जगह मुझे टीम में चुना गया।' वर्ल्ड कप के दौरान टीम इंडिया को नंबर-4 के बल्लेबाज को लेकर काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि टूर्नामेंट में ओपनरों का प्रदर्शन सराहनीय रहा। तब एमएसके प्रसाद की अगुआई वाली सिलेक्शन कमिटी ने रायुडू को वर्ल्ड कप टीम में नहीं चुना और उनकी जगह विजय शंकर को टीम में शामिल किया था। इसे लेकर काफी विवाद भी हुआ। इतना ही नहीं, रायुडू ने सोशल मीडिया पर अपना गुस्सा भी जाहिर किया था।

गत 15 अगस्त को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने वाले रैना ने कहा, 'वह (रायुडू) नंबर-4 के लिए अच्छे बल्लेबाज थे। अगर वह वर्ल्ड कप टीम का हिस्सा होते तो शायद हम खिताब अपने नाम कर लेते। वह जिस तरह से खेलते हैं, उस नंबर के लिए सर्वश्रेष्ठ विकल्प थे। चेन्नै में ट्रेनिंग कैंप में भी उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की।' पिछले साल वर्ल्ड कप के लिए ऑलराउंडर विजय शंकर और युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को मिडिल ऑर्डर में टीम में चुना गया था लेकिन दोनों का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा। इंग्लैंड तब वर्ल्ड चैंपियन बना था जिसने फाइनल में बाउंड्री के आधार पर सुपर ओवर में न्यूजीलैंड को हराया था।

आईपीएल के लिए यूएई पहुंचे धुरंधर

दुबई | एजेंसी।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के लिए संयुक्त अरब अमीरात पहुंचे खिलाड़ियों को छह दिन तक अपने कमरों तक सीमित रहना होगा और पहले दिन उन्होंने बालकनी से एक दूसरे से बातचीत करने के अलावा टीम के ट्रेनरों द्वारा दिए गए फिटनेस कार्यक्रम का पालन किया। राजस्थान रॉयल्स और किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाड़ी गुरुवार शाम को दुबई, जबकि कोलकाता नाइटराइडर्स की टीम रात में अबुधाबी पहुंच गई थी और चेन्नई की टीम शुक्रवार रात पहुंची। उधर, रॉयल्स की टीम ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की मानक परिचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार पहले दिन कोविड-19 की जांच एयरपोर्ट पर ही पूरी की और किंग्स इलेवन पंजाब ने शुक्रवार को दोबारा परीक्षण कराया। बीसीसीआई एसओपी के अनुसार जांच पहले, तीसरे और छठे दिन कराई जाएगी, जिसके बाद टीमें 19 सितंबर से शुरू होने वाली लीग के लिए ट्रेनिंग शुरू कर सकती हैं। छह दिन के पृथकवास में किसी को भी अपने कमरे से निकलने की अनुमति नहीं है, खिलाड़ियों ने सभी सामाजिक दूरी के निर्देशों का पालन करते हुए अपनी बालकनी से एक दूसरे से बात की। रॉयल्स के एक सूत्र ने कहा कि खिलाड़ी आउटडोर क्षेत्र को बारी बारी इस्तेमाल कर सकते हैं। उदाहरण के लिए मैं बालकनी में नहीं हो सकता, अगर अगले कमरे का खिलाड़ी भी बाहर है, लेकिन मैं उसके अगले कमरे के खिलाड़ी के साथ बाहर हो सकता हूं। किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाड़ी बालकनी से अपने बराबर के पड़ोसी से बात कर सकते हैं, लेकिन दुबई में गर्मी के कारण वे ऐसा दिन में नहीं कर पाएंगे।

नरेंद्र मोदी ने रैना को दो पन्ने का पत्र लिखकर कहा आपके लिए रिटायरमेंट शब्द का इस्तेमाल ठीक नहीं

नई दिल्ली | एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आस्ट्रेलिया के खिलाफ अहमदाबाद में 2011 विश्वकप क्वार्टर फाइनल के दौरान सुरेश रैना के शानदार कवर ड्राइव अभी भी याद है और उनका मानना है कि इस हरफनमौला के असंख्य प्रशंसकों कोउस की कमी खलेगी। रैना ने 15 अगस्त को महेंद्र सिंह धोनी के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के कुछ मिनट बाद ही खुद भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया। दोनों धुरंधर और अभिन्न मित्र अब चेन्नई सुपर किंग्स के लिए इंडियन प्रीमियर लीग में खेलेंगे। धोनी को प्रशंसा पत्र लिखने के बाद मोदी ने रैना को दो पन्ने का पत्र लिखकर कहा कि मैं संन्यास शब्द का इस्तेमाल नहीं करना चाहता, क्योंकि आप काफी युवा और ऊर्जावान हैं।

उन्होंने लिखा कि आपके क्रिकेट करियर में कई बार चोटों के कारण आपको नाकामी झेलनी पड़ी, लेकिन आप हर बार उन चुनौतियों से निखरकर आए। रैना ने प्रधानमंत्री को धन्यवाद देते हुए ट्वीट किया जब हम खेलते हैं तो देश के लिए खून पसीना देते हैं। देशवासियों से मिले प्यार और देश के प्रधानमंत्री से मिले इस प्यार से बड़ी कोई प्रशंसा नहीं। धन्यवाद नरेंद्र मोदी जी आपकी प्रशंसा और शुभकामनाओं के लिए।

90 रन केबाद नर्वस था

एजेंसी।

इंग्लैंड के बल्लेबाज जैक क्रॉले ने माना है कि वो पाकिस्तान के खिलाफ तीसरे टेस्ट केपहले दिन 90 रन केबाद नर्वस थे, लेकिन जोस बटलर जैसे शांत दिमाग केबल्लेबाज केसाथ होने केकारण उन्हें स्थिति से निपटने में मदद मिली और वो इस फॉर्मैट में पहला शतक जडने में सफल रहे। क्रॉले 171 रन बनाकर नॉटआउट लौटे हैं। इंग्लैंड ने मैच केपहले दिन चार विकेट पर 332 रन बना लिए हैं। बटलर 87 रन बनाकर नाबाद लौटे।

अपना आठवां टेस्ट खेल रहे 22 साल केक्रॉले ने पांचवें ओवर में क्रीज पर कदम रखा और शानदार बल्लेबाजी का नजारा पेश करके अपने करियर का पहला शतक जमाया। क्रॉले ने मैच के पहले दिन 269 गेंदों का सामना किया, इस दौरान उन्होंने 19 चौकेजड़े, जबकि बटलर ने 148 गेंद पर 87 रन बनाए, इन दोनों केबीच 200 से ज्यादा रनों की साझेदारी हो चुकी है। इंग्लैंड ने मैच के पहले दिन अपनी स्थिति मजबूत कर ली है और इसके क्रॉले और बटलर का सबसे बड़ा हाथ है। क्रॉले ने कहा, जब मैं लगभग 91 रन पर था, तब मैं सच में नर्वस था।

रिया चक्रवर्ती और महेश भट्ट की वॉट्सएप चौट देख आग बबूला हुए लोग, इस तरह जमकर निकाला गुस्सा

एक्टर सुशांत सिंह राजपूत डेथ केस में आये नई-नई बातें निकलकर सामने आ रही हैं। फ्लिहाल तो इस मामले पर सीबीआई ने जांच शुरू कर दी है। लेकिन इस बीच 8 जून को रिया चक्रवर्ती और फिल्मकार महेश भट्ट के बीच व्हाट्सअप चौट लीक हो ई है,जो इस समय खूब चर्चा में है। वैसे चौट के वायरल होते ही ट्विटर पर यूजर्स ने महेश भट्ट को धड़ल्ले से ट्रोल करना शुरू कर दिया। दरअसल सूत्रों से मिली रिया और महेश की एक चौट 8 जून 2020 का है जब रिया अपने बॉयफ्रेंड सुशांत को छोड़कर अपने घर वापस लौंट आई थी। वैसे इस चौट को देख तो यही लगता है कि रिया के पापा इन दोनों स्टार के इस रिलेशनशिप से कतई खुश नहीं थे। वहीं महेश भट्ट ने ही रिया चक्रवर्ती को सुशांत से अलग होने सीख भी दी। खैर अब इस चौट के सामने आते ही सोशल मीडिया पर रुडीमेंठींजज ट्रेंड काफी हो रहा है और लोग महेश भट्ट को सुशांत की मौत का जिम्मेदार कह रहे है। वैसे रिया की चौट से यह भी साफ है कि उन्होंने खुद अपनी मर्जी से सुशांत का घर छोड़ा था,क्योंकि रिया शायद अपने इस रिलेशनशिप से खुश नहीं थी। जबकि इससे पहले अभिनेत्री के वकील मानशिंदे का कहना था कि रिया वहां से जाना नहीं चाहती थीं और सुशांत ने जबरजस्ती उनसे वहां से जाने को कहा था क्योंकि तब उनकी बहन उनके घर आनेवाली थीं। अब रिया की महेश भट्ट के साथ ताजा चौट वायरल होने के बात यह बात तो बिल्कुल साफ है कि रिया के वकील ने झूठ बोला है। अब जैसे ही यह चौट सामने आई तो लोगों ने इस पर अपना रिएक्शन दिया। साथ ही सोशल मीडिया पर महेश भट्ट के बारे में खूब बातें होने लगी। वहीं इस चौट के वायरल होते ही ट्विटर पर यूजर्स ने महेश भट्ट को जमकर ट्रोल करना शुरू कर दिया। यहां कि लोग यह भी कहने लगे कि इनके जैसा इंसान इज्जत के लायक नहीं है। एक अन्य यूजर ने लिखा,यह महेश भट्ट खुद पागल है और दूसरों को तनावग्रस्त बताता रहता है।

गणेश उत्सव में बप्पा की भव्य आरती करने आ रहे हैं टीवी के सीता-राम अरुण गोविल और दीपिका चिखलिया

पूरा देश गणेश उत्सव के रंग में रंग जाएगा। गणेश चतुर्थी के मौके पर लोग अपने घर पर बप्पा को मेहमान बनाकर ला रहे हैं। ऐसे में भला टीवी सितारे कैसे पीछे रह सकते हैं। साल 2020 की गणेश चतुर्थी को खास बनाने के लिए स्टार प्लस भी भव्य समारोह का आयोजन करने वाला है। इस उत्सव में टीवी जगत के कई जानेमाने सितारे नजर आने वाले हैं। इन सितारों में रामायण के राम सीता अरुण गोविल और दीपिका चिखलिया का नाम भी शामिल है।

वायरल हो रही वीडियो में अरुण गोविल और दीपिका चिखलिया बप्पा की भव्य आरती करते नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही ये दोनों कलाकार एक साथ धमाकेदार डांस परफर्मेंस भी देने वाले हैं। ये टीवी के इतिहास में पहली बार होने वाला है जब रामानंद सागर की रामायण के राम सीता टीवी पर गणेश उत्सव का हिस्सा बनने जा रहे हैं। यही वजह है कि फैंस अरुण गोविल और दीपिका चिखलिया को साथ में देखने के लिए काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं।

शत्रुघ्न सिन्हा ने महेश भट्ट और रिया चक्रवर्ती के रिश्ते पर उठाए सवाल

बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की आत्महत्या का केस अब सीबीआई के हाथ में पहुंच गया है। बीते दिन से सीबीआई ने इस केस की छानबीन भी शुरु कर दी है। ऐसे में लोगों को उम्मीद है कि जल्द ही सुशांत सिंह राजपूत के गुनेहगारों को सजा मिलेगी। कई सितारे सुशांत सिंह राजपूत के बारे में खुलकर बात कर रहे हैं। इसी बीच बॉलीवुड अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा ने एक बार फिर से इस मुद्दे पर अपनी राय रखी है। शत्रुघ्न सिन्हा ने बताया है कि वह सुशांत सिंह राजपूत केस में रिया चक्रवर्ती और महेश भट्ट के रिश्तों के बारे में भी जांच की जानी जरुरी है।

टीवी न्यूज चैनल आजतक से बात करते हुए शत्रुघ्न सिन्हा ने बताया कि, सुशांत सिंह राजपूत का परिवार, फैंस, नेता और अभिनेता हर कोई इस केस की सीबीआई जांच की मांग कर रहा था जो कि सरकार ने पूरी कर दी है। सीबीआई के हाथ में सुशांत सिंह राजपूत का केस जाने का मतलब ये है कि अब जल्द ही सच सबके सामने आ जाएगा। रिया चक्रवर्ती और महेश भट्ट के बारे में बात करते हुए शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि, मैं ये कहना चाहता हूं कि सारी बाते सीबीआई के सामने रखी जानी चाहिए। मुझे नहीं पता कि रिया चक्रवर्ती और महेश भट्ट के बीच क्या रिश्ता है लेकिन सच सबके सामने आना बहुत जरुरी है। सुशांत सिंह राजपूत केस में रिया चक्रवर्ती की गिरफ्तारी अब तक हो जानी चाहिए थी लेकिन इस काम में पुलिस ने काफी देर लगा दी है। ऐसे में ये शक रहता है कि कोई सबूतों की हेरा फेरी न कर दे। दो महीने बीत जाने के बाद मामले सीबीआई तक पहुंचा है अब इस मामले पर मेरा ज्यादा बोलना ठीक नहीं होगा। आगे शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि, बॉलीवुड में बहुत से लोग सुशांत सिंह राजपूत मामले में आवाज नहीं उठा रहे हैं। ये बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। लोग डर की वजह से चुप हैं। भले ही सुशांत सिंह राजपूत बहुत बड़ा स्टार नहीं था लेकिन इस घटना ने उसे दुनियाभर में मशहूर कर दिया है। जो लोग उसे नहीं जानते वो भी उसका साथ दे रहे हैं क्योंकि उसके साथ गलत हुआ। वह बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा था। उम्मीद थी कि वह बॉलीवुड का चमकता सितारा बन जाता।

सुशांत सिंह राजपूत की ग्लोबल प्रेयर मीट को सफल बनाने के लिए अंकिता लोखंडे ने मिलाया बहन से हाथ

सुशांत सिंह राजपूत केस की छानबीन अब सीबीआई कर रही है। जब से सुप्राम कोर्ट ने सुशांत सिंह राजपूत केस को सीबीआई को सौंपा है तब से फैंस और परिवार के लोग काफी सुकून में हैं लेकिन अब भी इन लोगों की ये जंग खत्म नहीं हुई है। अब सुशांत सिंह राजपूत के फैंस और परिवार के लोग उनको इंसाफ दिलाने में जुट गए हैं। यही वजह है जो सुशांत सिंह राजपूत की बहन श्वेता सिंह कीर्ति ने आज एक बार फिर से ग्लोबल प्रेयर मीट का आयोजन किया है। ग्लोबल प्रेयर मीट के इस कैम्पेन के तहत आज सुबह 11 बजे से गायंत्री मंत्रों क जाप किया जाएगा। इसी बीच सुशांत सिंह राजपूत की बहन की इस मुहिम को सपोर्ट करने के लिए अंकिता लोखंडे ने भी कमर कस ली है। कुछ समय पहले ही अंकिता लोखंडे ने सुशांत सिंह राजपूत की ग्लोबल प्रेयर मीट के बारे में बात करते हुए फैंस से इसका हिस्सा बनने की गुजारिश की है। सुशांत सिंह राजपूत के ग्लोबल प्रेयर मीट का पोस्टर शेयर करते हुए अंकिता लोखंडे ने लिखा कि, आईए और हमारे साथ मिलकर सुशांत सिंह राजपूत के लिए प्रार्थना करें। गायत्री मंत्र आत्मा को शुद्ध करता है। नकारात्मकता को खत्म करने के लिए हमें इस मुहिम को सफल बनाना होगा। हमारी इस जंग में अब भगवान भी हमारे साथ है। हम 22 अगस्त को 11 बजे 108 बार गायत्री मंत्रों का जाप करने वाले हैं। अपनी उपस्थिति दर्ज करवा कर इस मुहिम को सफल बनाए। अंकिता लोखंडे से पहले सुशांत सिंह राजपूत की बहन श्वेता सिंह कीर्ति ने सोशल मीडिया पर ग्लोबल प्रेयर मीट की शुरुआत की थी। इससे पहले भी ग्लोबल प्रेयर मीट का आयोजन हो चुका है। 15 अगस्त के दिन ग्लोबल प्रेयर मीट के फैंस और परिवार के सभी लोग सुशांत सिंह राजपूत के लिए प्रार्थना करते नजर आए थे। इस दौरान सोशल मीडिया पर फैंस का बड़ा हूजूम देखने के मिला था। जिसके कुछ समय बाद ही सुप्रीम कोर्ट ने सुशांत सिंह राजपूत के हक में फैसला सुनाते हुए केस की सीबीआई जांच की मांग को स्वीकार कर लिया था।

भाभीजी घर पर है एक्ट्रेस सौम्या टंडन शूटिंग के आखिरी दिन पर हुईं इमोशनल

भाभी जी घर पर है फेम एक्ट्रेस सौम्या टंडन ने शो को अलविदा कह दिया है। अब दर्शकों को शो में गौरी मेम अनीता भाभी यानी सौम्या टंडन दिखाई नहीं देंगी। पिछले 5 सालों से भाभी जी घर पर है में अनीता भाभी का रोल निभा रही थीं। लेकिन अब उन्होंने यह शो छोड़ दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर इस बात की जानकारी सौम्या ने खुद दी। अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शो की कास्ट और क्रू मेंबर के साथ सौम्या ने अकुच वीडियो साझा किया है जिसमें सबके साथ दिखाई दे रही हैं। सौम्या को उनकी इस टीम ने एक खास अंदाज में विदाई दी यह इन वीडियोज को देखकर समझा जा सकता है। शो पर उनके आखिरी दिन पर पूरी टीम ने स्पेशल केक सौम्या के लिए मंगवाया। वीडियो में दिख रहा है उनके लिए सभी टीम के सदस्यों ने विदाई गीत गाया। हालांकि सबके इस प्यार का सौम्या ने भी दिल से शुक्रिया कहा। इस शो में एक्टर आसिफशेख ने सौम्या के ऑनस्क्रीन पति विभूति नारायण का किरदार निभाया है। सौम्या ने आसिफशेख के लिए कहा, मुझे आसिफजी जैसा को-एक्टर जिंदगी में कभी नहीं मिलेगा, आपने मुझे बिगाड़ दिया है। पता नहीं मुझे ऐसा को-एक्टर कभी मिलेगा या नहीं। दूसरी तरफतिवारी जी यानी रोहिताश के लिए सौम्या ने कहा, रोहित जी मुझे आपसे बहुत कुछ सीखने को मिला। लेकिन ऐसा मत करना कि रास्ते में दूसरी अनीता मिले तो मुझे भूल गए। मुझे इस बात का शक है। सौम्या ने इन वीडियोज को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया और कैप्शन में लिखा, खूबसूरत जर्नी खत्म हुई। जिस दिन हम अलग होते हैं तब पता चलता है कि हमारा रिश्ता कितना स्ट्रॉन्ग था। ये मेरी जिंदगी के वो पल हैं जिन्हें मैं हमेशा याद रखूंगी। सभी का शुक्रियादा सौम्या ने ये पोस्ट शेयर करते हुए किया। लेकिन अपनी पोस्ट में अंगूरी भाभी यानी शुभांगी अत्रे का जिक्र उन्होंने नहीं किया और न नहीं उन्हें टैग किया।

कंगना ने मारी ट्विटर पर एंट्री

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने माइक्रो ब्लॉगिंग साइट ट्विटर पर एंट्री मार दी है। ट्विटर पर एंट्री की जानकारी खुद कंगना रनौत ने फैन्स को दी। कंगना के फैंस उनका स्वागत कर रहे हैं, जबकि कुछ लोग उन्हें ट्रोल करने की कोशिश कर रहे हैं। कई लोगों का कहना है कि कंगना ने अपने एजेंडा को लेकर ट्विटर ज्वॉइन किया है। अब कंगना ने ही खुद इस पर जवाब दे दिया है।कंगना ने ट्वीट करते हुए लिखा, ÷बॉलीवुड वालों का कहना है, कंगना अपने एजेंडा के चलते ट्विटर पे आयी है। आज मैं यह साफ़ कह देना चाहती हूं कि हां मेरा अजेंडा है..

लॉकडाउन के बाद शूटिंग शुरू कर खुश है लारा दत्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री लारा दत्ता लॉकडाउन के बाद शूटिंग शुरू कर बेहद खुश हैं। लारा दत्ता ने फिल्म 'बेलबॉटम' की शूटिंग शुरू कर दी है। लारा अपने सह कलाकार अक्षय कुमार,वाणी कपूर और हुमा कुरैशी के साथ लंदन में हैं। लारा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा किया, जिसमें वह अपने टीम मेंबर्स के साथ दिखाई दे रही हैं। तस्वीर में सभी मास्क पहने हुए दिखाई दे रहे हैं। लारा ने इसे कैप्शन देते हुए लिखा, और ये शुरू हुआ। मैं उन लड़कियों के लिए दावा कर रही हूं, जो 42 साल के उम्र में एक अभिनेत्री के रूप में कोरोना काल में बॉलीवुड के सेट पर आकर अद्भूत महसूस कर रही है। लारा दत्ता ने शूटिंग के दौरान सेट पर सुरक्षित माहौल बनाने के लिए निमार्ताओं को धन्यवाद दिया।

ऋतिक को पसंद आई विद्युत की 'खुदा हाफ़िज़'

बॉलीवुड के माचो मैन ऋतिक रौशन को विद्युत जामवाल की फिल्म 'खुदा हाफ़िज़' बेहद पसंद आई है। विद्युत की फ़िल्म 'खुदा हाफ़िज़' डिज़्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज़ हुई है जिसे दर्शक बेहद पसंद कर रहे हैं। अब ऋतिक ने भी विद्युत की फ़िल्म की तारीफ़ की। ऋतिक और विद्युत शनिवार को इंस्टाग्राम पर लाइव आएंगे। ऋतिक ने एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वो खुदा हाफ़िज़ के बारे में बात करते हुए कहा कि उनकी मॉम विद्युत की फैन हैं और उन्हें सोशल मीडिया में फॉलो करती हैं। विद्युत की फिलॉस्फी और फिटनेस के बारे में उनकी बातों को भी वो फॉलो करती हैं।

सोनाक्षी सिन्हा के इंस्टाग्राम वीडियो पर अभद्र टिप्पणी करने वाला व्यक्ति गिरफ्तार

महाराष्ट्र के औरंगाबाद शहर के 26 वर्षीय एक व्यक्ति को सोनाक्षी सिन्हा के इंस्टाग्राम अकाउंट पर अश्लील टिप्पणी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि अभिनेत्री ने मुंबई अपराध शाखा में इस बाबत सात अगस्त को शिकायत दर्ज कराई थी। सोनाक्षी ने महिला सुरक्षा और साइबर धौंस तथा उत्पीड़न के बारे में हाल ही में एक वीडियो बनाया था और उसे इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया था। अधिकारी ने बताया कि एक अज्ञात व्यक्ति ने वीडियो पर महिलाओं के बारे में अश्लील टिप्पणी की और कुछ बॉलीवुड हस्तियों के बारे में अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। साइबर पुलिस थाने ने भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं और सूचना तकनीक अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया। साइबर पुलिस इसके बाद आईपी एड्रेस तथा अन्य सुरागों की मदद से औरंगाबाद के तुलजी नगर के शशिकांत गुलाब जाधव तक पहुंची, जिसने कथित तौर पर यह टिप्पणी की थी।

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक

स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।

संपादक- कंचन सोलंकी

TITLE CODE- UPHIN48974

Mob:
8896925119, 9695670357
Email:
kanchansolanki397@gmail.com

नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।